सांध्य दैनिक

4PM

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 9 ● अंकः 260 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शनिवार, 28 अक्टूबर, 2023

जब आप सांस लेते हैं, आप भगवान से शक्ति ले रहे होते हैं। जब आप सांस छोड़ते हैं तो ये उस सेवा को दर्शाता है जो आप दुनिया को दे रहे हैं।

-बी के एस आयंगर

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

केशव महाराज ने छीनी पाकिस्तान... 7 | दक्षिण के राज्यों में चल रही राजनीतिक... 3 | यह कैसा अमृतकाल, बेटा बेचने को... 2

संयुक्त राष्ट्र महासभा में भारत के रुख पर मोदी सरकार पर तिलमिलाईं प्रियंका

महासचिव बोलीं- भारत के रवैये से मैं शर्मसार

- हमास-इजराइल युद्ध पर महासभा के विशेष सत्र का हुआ आयोजन
- मानवीय आधार पर संघर्षविराम के लिए पेश प्रस्ताव पर भारत ने नहीं लिया भाग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पांच राज्यों में चुनावों की घोषणा होने के साथ ही राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। सभी पार्टियों ने जनता को लुभाने के लिए नए-नए वादे करने भी शुरू कर दिए हैं। नेताओं ने भी एड़ी चोटी का जोर लगाना शुरू कर दिया है। इसी क्रम में हमास-इजराइल युद्ध भी चुनावी मंचों पर मुद्दा बनता जा रहा है। कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी संयुक्त राष्ट्र महासभा के विशेष सत्र में गाजा में मानवीय आधार पर संघर्षविराम के लिए पेश प्रस्ताव पर भारत को मतदान से अलग रखने पर वह मोदी सरकार भड़क गई हैं। उन्होंने भारत के इस रुख पर बड़ी हैरानी जताई और जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि वह भारत के इस रुख पर शर्मिंदा हैं।

वहीं मध्यप्रदेश में चुनावी बिगुल बजते ही पार्टियों में वार-पलटवार की राजनीति शुरू हो गई है। इस बीच नेताओं की रैलियों की संख्या भी तेजी से बढ़ रही है। कांग्रेस भी एड़ी चोटी का दम लगाए बैठी है। जनता के बीच पहुंचे कमलनाथ ने लोगों से बीते दिन एक अजीबोगरीब वादा किया। कांग्रेस नेता ने कहा कि अगर चुनाव बाद काम न हो तो मेरा कुर्ता पकड़ लेना। वहीं छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल ने भाजपा पर हमला बोला है। बघेल ने राजस्थान में ईडी की छापेमारी पर निशाना साधा है और उसकी तुलना जानवरों से की। उन्होंने कहा कि ये सब भाजपा अपने चुनावी हार के डर से करवा रही है। उधर केंद्रीय मंत्री और भाजपा उम्मीदवार नरेन्द्र सिंह तोमर ने मुरैना में कांग्रेस और कमलनाथ पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कमलनाथ और अन्य कांग्रेसी मौसूमी हिंदू हैं। चुनाव आते ही उन्हें भगवान राम की याद आती है... कमलनाथ को जवाब देना चाहिए कि उनकी पार्टी ने राम मंदिर और राम सेतु का विरोध क्यों किया। केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद सिंह पटेल ने छिंदवाड़ा में कहा कि कांग्रेस चुनाव के समय हमेशा भ्रम फैलाने का काम करती है। दिग्विजय सिंह को पूरी देश की चिंता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर कोई गलती करेगा तो कानून और एजेंसियां अपना काम करेंगी।

आखिर और कितनी जानें गंवाने के बाद जागेगी सामूहिक चेतना : प्रियंका

गांधी ने कहा कि गाजा में सात हजार लोगों की हत्या के बाद भी हिंसा का दौर थमा नहीं है। इन मरने वालों में से तीन हजार मासूम बच्चे थे। उन्होंने कहा कि इस युद्ध में कोई ऐसा अंतरराष्ट्रीय कानून नहीं, जिसे कुचला न गया हो। कोई ऐसी मर्यादा नहीं, जिसे तार-तार न किया गया हो। कोई ऐसा कायदा नहीं, जिसकी धज्जियां न उड़ी हों। आगे कहा कि लोगों की सामूहिक चेतना आखिर और कितनी जानें जाने के बाद जागेगी या ऐसी कोई चेतना अब बची ही नहीं? उन्होंने यह भी कहा कि जब मानवता के हर कानून को ध्वस्त कर दिया गया है, तो ऐसे समय में अपना रुख तय नहीं करना और चुपचाप देखते रहना गलत है। प्रियंका ने महात्मा गांधी के उस कथन का भी उल्लेख किया कि आंख के बदले आंख पूरी दुनिया को अंधा बना देती है। उन्होंने कहा, मैं हैरान और शर्मिंदा हूं कि हमारा देश गाजा में संघर्ष-विराम के लिए हुए मतदान में अनुपस्थित रहा। हमारे देश की स्थापना अहिंसा और सत्य के सिद्धांतों पर हुई थी। इन सिद्धांतों के लिए हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने अपने जीवन का बलिदान दिया। ये सिद्धांत संविधान का आधार हैं, जो हमारी राष्ट्रीयता को परिभाषित करते हैं। वे भारत के उस नैतिक साहस का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिसने अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सदस्य के रूप में उसके कदमों का मार्गदर्शन किया है। जब मानवता के हर कानून को नष्ट कर दिया गया है, लाखों लोगों के लिए भोजन, पानी, चिकित्सा आपूर्ति, संचार और बिजली काट दी गई है और फलस्तीन में हजारों पुरुषों, महिलाओं और बच्चों को नुकसान पहुंचाया जा रहा है, तब रुख अपनाने से इनकार करना और चुपचाप देखना गलत है। प्रियंका ने कहा कि यह उन सभी चीजों के विपरीत है, जिनके लिए एक राष्ट्र के रूप में भारत हमेशा खड़ा रहा है।

भारत ने संयुक्त राष्ट्र में दोनों पक्षों से हिंसा से दूर रहने का आग्रह किया

इस्राइल और हमास के बीच चल रहे संघर्ष में बिगड़ती सुरक्षा स्थिति और नागरिकों की जान की क्षति पर चिंतित भारत ने संयुक्त राष्ट्र में दोनों पक्षों से तनाव कम करने, हिंसा से दूर रहने का आग्रह किया है। संयुक्त राष्ट्र में भारत की उप स्थायी प्रतिनिधि योजना पटेल ने को संयुक्त राष्ट्र महासभा के आपातकालीन विशेष सत्र में इस्राइल-हमास युद्ध पर अपनी टिप्पणी में कहा कि भारत बिगड़ती सुरक्षा स्थिति और आश्चर्यजनक नुकसान पर गहराई से चिंतित है। जारी संघर्ष में नागरिकों की जान जा रही है। क्षेत्र में शत्रुता बढ़ने से मानवीय संकट और बढ़ेगा। सभी पक्षों के लिए अत्यधिक जिम्मेदारी प्रदर्शित करना आवश्यक है।

महासभा में प्रस्ताव के पक्ष में पड़े थे 120 वोट

गौरतलब है, इस्राइल-हमास युद्ध के बीच गाजा में मानवीय आधार पर संघर्षविराम के लिए जॉर्डन की तरफ से पेश प्रस्ताव संयुक्त राष्ट्र महासभा में पारित हो गया है। यूएनजीए ने प्रस्ताव को भारी बहुमत से अपनाया है। प्रस्ताव के पक्ष में 120 वोट पड़े थे, जबकि विरोध में 14 वोट पड़े। वहीं 45 देशों ने मतदान से खुद को अलग रखा था। प्रस्ताव में इस्राइल और हमास के बीच मानवीय आधार पर तत्काल संघर्षविराम का आह्वान किया गया है। साथ ही यह बिना किसी रुकावट के गाजा तक मानवीय सहायता पहुंचाने का आह्वान करता है, जिसमें पानी, बिजली और वस्तुओं के वितरण को फिर से शुरू करना शामिल है। कनाडा ने इस्राइल पर हमास के हमले की निंदा के लिए प्रस्ताव में एक संशोधन पेश किया, जो खारिज हो गया। हालांकि, भारत ने इस प्रस्ताव का समर्थन किया था। चौंकाने वाली बात यह है कि हमास के साथ युद्ध में इस्राइल का मजबूती से समर्थन करने वाले ब्रिटेन और जर्मनी मतदान से अनुपस्थित रहे। अमेरिका, इस्राइल, ऑस्ट्रिया, क्रोएशिया, चेक गणराज्य, फिजी, ग्वाटेमाला, हंगरी, मार्शल द्वीप, माइक्रोनेशिया, नाउरू, पापुआ न्यू गिनी, पैराग्वे और टोंगा ने जॉर्डन द्वारा पेश प्रस्ताव के खिलाफ मतदान किया था।

कुछ लोग बुराई के मजे लेते हैं : राउत

उद्धव ठाकरे गुट वाली शिवसेना के नेता संजय राउत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अजित पवार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि अगर अजित पवार के सामने शरद पवार की बुराई हो रही थी और इसके मजे पीएम मोदी व भाजपा नेता ले रहे थे, तो खुद को गौरवान्वित मराठा कहने वाले अजित को मंच से चले जाना चाहिए था। राउत ने कहा कि कल तक शरद पवार की मदद से कई काम हो रहे थे। पीएम मोदी खुद को उनका चेला बताते थे। शरद पवार को कृषि और समाजिक क्षेत्र में ज्ञान रखने और योगदान के लिए पद्म विभूषण सम्मान भी मिल चुका है। तब नहीं लगा कि उस नेता ने क्या किया है। उन्होंने कहा कि लेकिन अब राजनीति है। महाराष्ट्र में चुनाव है। उनकी पार्टी तोड़ दी है। उनको कमजोर कर दिया है। महाराष्ट्र के सबसे बड़े नेता पर ऐसी टिप्पणी करते हो तो राज्य के लोग यह बात याद रखेंगे।

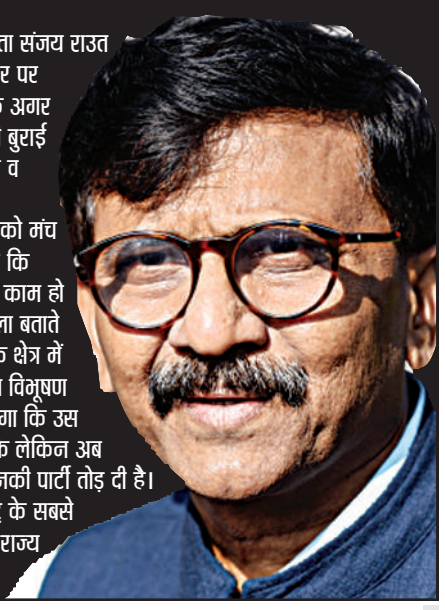

यह कैसा अमृतकाल, बेटा बेचने को पिता मजबूर : अखिलेश यादव

बोले- कोई तो सरकार को जगाए सपा प्रमुख से मिलीं कृष्णा पटेल

» पांच राज्यों के चुनाव परिणाम के बाद होगा सीटों का फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश ने एक परिवार की फोटो प्रदर्शित करते हुए एक्स के जरिये कहा है कि ये भाजपा का अमृतकाल जब एक पिता अपने पुत्र को बेचने के लिए गले में तख्ती लटकाकर बिलखने को मजबूर है। इससे पहले कि ये तस्वीर दुनिया भर में फैल जाए और प्रदेश के साथ-साथ देश की छिप संपूर्ण विश्व में धूमिल करे, कोई तो सरकार को जगाए। इससे पहले अपना दल (कमेरावादी) की प्रमुख कृष्णा पटेल और उनकी पुत्री व सपा विधायक पल्लवी पटेल ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से मुलाकात की। इसकी जानकारी एक्स के जरिये देते हुए अखिलेश ने इसे खास मुलाकात बताया।

राजनीतिक सूत्रों के मुताबिक, तीनों नेताओं के बीच लोकसभा चुनाव को लेकर चर्चा हुई। कृष्णा पटेल प्रतापगढ़ से लोकसभा चुनाव लड़ने की इच्छुक बताई जाती हैं, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी। इंडिया में सीटों की साझेदारी पर अब आगे की बात पांच राज्यों के चुनाव के बाद होगी। यूपी में मुख्य घटक दल समाजवादी पार्टी पश्चिमी बंगाल और बिहार के सीटों के बंटवारे के फॉर्मूले को राज्य में अपनाने पर जोर दे रही है। वहीं, कांग्रेस वर्ष 2009 के लोकसभा चुनाव को आधार बनाते हुए सीटें चाहती है। यह मसला अब इंडिया की अगली बैठकों में ही सुलटने की उम्मीद है। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में सीटों के बंटवारे की बात न बनने पर कांग्रेस और सपा के बीच रिश्तों में आई खटास जगजाहिर है। कांग्रेस हाईकमान के दखल के बाद भी यह कम या अधिक मात्रा में गाहे-बगाहे किसी न किसी रूप में सामने आ ही जा रही है। माना जा रहा है कि कांग्रेस और सपा के बीच सीटों का बंटवारा अब आसान न होगा। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने नवरात्र में कुछ लोकसभा टिकट घोषित किए जाने का एलान किया था, लेकिन पार्टी की ओर से कोई आधिकारिक सूची जारी नहीं की गई। राजनीतिक सूत्रों का कहना है कि इंडिया गठबंधन के कांग्रेस समेत कई घटक दल फिलहाल पांच राज्यों के चुनाव पर ध्यान केंद्रित किए हुए हैं। इसलिए तय हुआ है कि इंडिया की अगली बैठक इन राज्यों के चुनाव के बाद ही की जाएगी। यहां तक कि संयुक्त रैली का कार्यक्रम भी फिलहाल टाल दिया गया है, क्योंकि राज्यों के चुनाव में कई घटक दल एक दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष के साथ अखिलेश को भी आजम से मिलने जाना चाहिए : आलम

सपा और कांग्रेस के बीच बयानबाजी थमने का नाम नहीं ले रही है। कांग्रेस अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष शाहनवाज आलम ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि जिस व्यक्ति ने आजम खान के खिलाफ नफरती ट्वीट किया, उसे पार्टी का प्रवक्ता बनाकर अखिलेश यादव क्या संदेश देना चाहते हैं, यह स्पष्ट करें। जारी बयान में शाहनवाज आलम ने कहा कि अच्छा होता कि आज़म खान से मिलने जा रहे कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय के साथ सपा प्रदेश अध्यक्ष भी होते। इंडिया गठबंधन सैद्धांतिक आधार पर बना है। इसका बुनियादी उसूल हर तरह के अन्याय के खिलाफ़ खड़े होना है। आज़म खान के साथ कांग्रेस इसी बुनियादी उसूल के साथ खड़ी है। समाजवादी पार्टी को भी चाहिए कि वो इस उसूल का सम्मान करे। उन्होंने कहा कि सपा के कुछ लोगों ने कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय के आज़म खान से जेल में मिलने जाने को लेकर असहजता दिखाई है जो अनुचित है। सपा को तो खुश होना चाहिए कि दूसरे दलों के लोग भी उनके नेताओं के साथ हो रही नाइंसाफी के खिलाफ़ बोल रहे हैं। लेकिन भाजपा में रहते हुए आज़म खान को सबक सिखाने के लिए उनकी पत्नी और बेटी से गैंग रेप की बात करने वाले आईपी सिंह को सपा में प्रवक्ता बना दिया जाना राजनीतिक शुचिता के खिलाफ़ है।

भारत में फंसे ईरानी मेहमान की पूर्व सीएम ने की मदद

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इजरायल और हमास के बीच युद्ध के चलते भारत पहुंचे ईरानी मेहमानों की मदद की है। बताया जा रहा है कि ईरानी समीरा फाजली और सैयद मोहम्मद रेजा विश्वशांति के लिए साइकिल से भारत भ्रमण पर निकले थे। इसी दौरान इजरायल और हमास का युद्ध शुरू हो गया। इस युद्ध की वजह से उनकी वापसी की टिकट रद्द हो गई और वे दोनों भारत में ही फंस गए। वहीं, अखिलेश यादव ने उनकी वापसी की टिकट कराई है। दोनों की साइकिल यात्रा जारी थी और रुपये खत्म हो चुके थे, तभी एक व्यक्ति की मदद से दोनों सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव से मिले। अखिलेश यादव ने दोनों की मदद की। अखिलेश यादव एक्स पर लिखा कि इंसानियत से बड़ा कोई धर्म और मदद से बड़ी कोई इबादत और कुछ नहीं, कुछ और नहीं। जंग के हालातों की वजह से ईरान से आकर हमारे देश में फंसे इन मेहमानों की देश वापसी में हम कुछ कर पा रहे हैं, ये हमारी खुशकिस्मती है। देश की छवि दुनिया में सिर्फ कहने से नहीं, कुछ अच्छा करने से बनती है। भारत में फंसी ईरानी समीरा फाजली और सैयद मोहम्मद रेजा ईरान की राजधानी तेहरान के पास स्थित सावेह शहर के रहने वाले हैं। समीरा एक कंपनी में एचआर हैं और मोहम्मद आर्टिस्ट हैं।

सीएम न बन पाने से विज हताश

» कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष उदयभान बोले- इलाज करवाएं गृहमंत्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। हरियाणा के कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष उदयभान ने गृह मंत्री अनिल विज पर बड़ा पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि अनिल विज को समय-समय पर किसी न किसी से पीड़ा होती रहती है। उन्हें उस समय बड़ा दर्द हुआ था... जब वह छह बार विधायक बनने के बावजूद मुख्यमंत्री नहीं बन पाए थे और भाजपा ने मनोहर लाल को मुख्यमंत्री बना कर अनिल विज पर थोप दिया था। तब वे मुख्यमंत्री को भी बर्दाश्त नहीं कर पाए थे और रोजाना उनके खिलाफ अनाप-शनाप बोलते रहे।

इससे स्पष्ट है कि अनिल विज का मानसिक संतुलन बिगड़ा है और उन्हें चंडीगढ़ पीजीआई में अपने दिमाग का इलाज करवाना चाहिए। बता दें कि गृह मंत्री अनिल विज ने पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा को कहा था कि वह 2024 में मुख्यमंत्री बनने का सपना देख रहे हैं लेकिन उनके लिए जेल में कमरा तैयार हो रहा है। उदयभान ने कहा कि भूपेंद्र सिंह हुड्डा 10 साल मुख्यमंत्री रह चुके हैं।

बिहार में एक ही सीट जीतेगी भाजपा: लालू

» जातीय जनगणना के आंकड़ों से सहमी बीजेपी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री, देश के पूर्व रेल मंत्री और राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव को एक बड़े जनसंघी नेता ने बताया है कि भाजपा अगले लोकसभा चुनाव में सिर्फ पटना की सीट जीतने वाली है। जनसंघ भाजपा का पुराना नाम है और लालू प्रसाद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के लिए भी इस नाम का इस्तेमाल करते हैं। दोनों ही मायनों में उनकी बातों का मतलब है कि भाजपा-संघ से जुड़े किसी बड़े नेता ने उन्हें भाजपा के इस डर से वाकिफ कराया है।

लालू ने आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा की इस हालत के पीछे बिहार की जातीय जनगणना के आंकड़ों को वजह बताया है। लालू ने कहा कि भाजपा वाले इन आंकड़ों को देखकर सहम गए हैं। राजद अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र की भाजपा सरकार की योजनाओं से लेकर इंडी एलायंस के नेतृत्व तक के बारे में खुले मंच से बात की और साथ ही यह भी एलान किया कि पटना के गांधी मैदान में बहुत जल्द अब विपक्षी गठबंधन की बहुत बड़ी रैली होगी। अपनी ताकत का एहसास कराते हुए कहा कि उन्होंने जेल से ही सोनिया को कॉल कर अखिलेश सिंह को राज्यसभा एमपी बनवा दिया। लालू यादव ने कहा कि भूमिहार भाई लोग दावा करते हैं कि श्री कृष्ण बाबू हमारे हैं लेकिन उनके जन्मदिन के दिन ही गायब रहते हैं।

जेल से कॉल की बात गलती से बोले होंगे लालू : चौधरी

बिहार केसरी डॉ. श्रीकृष्ण सिंह की जयंती पर बिहार प्रदेश कांग्रेस की ओर से सदाकत आश्रम में आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रीय जनता दल अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव के जयकारे लगना, वहां उनका यह कहना कि जेल से उन्होंने सोनिया गांधी को कॉल कर अखिलेश सिंह को राज्यसभा का सांसद बनवाया और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की इस कार्यक्रम में गैरहाजिरी- बिहार की राजनीति में यह बात निकली तो अब आगे बढ़ गई है। भाजपा ने लालू प्रसाद को घेरा तो नीतीश कुमार को भी नहीं छोड़ा। लेकिन, उससे भी ज्यादा घिरते नजर आए बिहार की नीतीश सरकार के मंत्री अशोक चौधरी। वह तीनों ही सवालों पर असहज नजर आए।

जांच हो तो जेल से नहीं निकल पाएंगे मोदी : संजय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली आबकारी नीति मामले में सांसद संजय सिंह को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में लाया गया। कोर्ट ने संजय सिंह को 10 नवंबर तक आगे की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। कोर्ट में पेशी के दौरान जब पत्रकारों ने पूछा कि संजय सिंह जी क्या कहना चाहेंगे। तो उन्होंने जवाब में कहा कि अगर मोदी जी की जांच हो जाए तो वह पूरी जिंदगी जेल में ही बंद रह जाएंगे। नरेंद्र मोदी के अलावा उनके निशाने पर अडाणी भी रहे। मोदी जी एक भ्रष्ट नेता हैं, अडानी के साथ मिलकर भ्रष्टाचार कर रहे हैं। दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने आप नेता संजय सिंह को 10 नवंबर तक आगे की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

बता दें कि उन्हें ईडी ने दिल्ली एक्साइज पॉलिसी मामले में चार अक्टूबर को गिरफ्तार किया था। उधर अदालत ने संबंधित जेल अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि वे सिंह का निजी डॉक्टर सहित उचित इलाज सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा अदालत को आरोपी को निजी इलाज देने से इनकार करने का कोई कारण नहीं दिखता, इसलिए संबंधित जेल अधीक्षक को उचित इलाज सुनिश्चित करने का निर्देश दिया जाता है। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि आरोपी के वकील यह सुनिश्चित करें कि सिंह और अन्य लोगों का कोई भी समर्थक उनकी यात्रा के दौरान मेडिकल सेंटर में इकट्ठा न हो। वहीं सिंह द्वारा दायर एक अन्य आवेदन में आप नेता को विकास कार्यों के लिए धन जारी करने के संबंध में दिल्ली नगर निगम आयुक्त को संबोधित दो पत्रों पर हस्ताक्षर करने की भी अनुमति दी। उन्होंने सांसद निधि से दिल्ली के अंदर विकास कार्य कराने का दो प्रस्ताव शामिल हैं। पहले प्रस्ताव के अंतर्गत तिमारपुर विधानसभा में वाटर-कूलर लगवाने का है, जबकि दूसरा प्रास्तव नार्थ-वेस्ट दिल्ली के लाडपुर गांव में चौपाल के निर्माण का है।

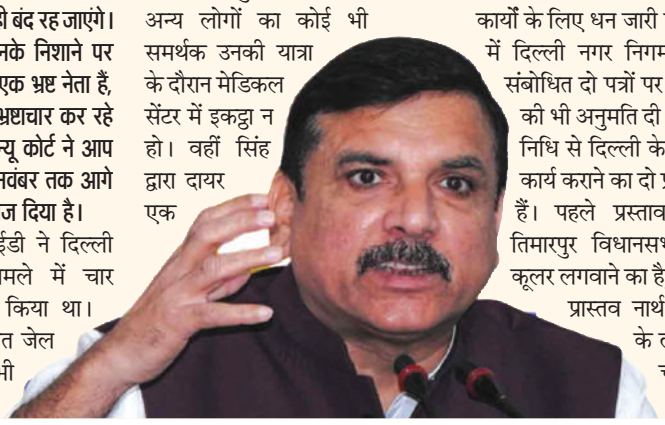

एलजी ने सिविल डिफेंस वालंटियर्स को हटाया तो सुप्रीम कोर्ट जाएंगे : केजरीवाल

नई दिल्ली। सिविल डिफेंस वालंटियर्स को दिल्ली सरकार होमगार्ड के रूप में नियुक्त करेगी और इनसे बस मार्शल का काम लेगी। सीएम अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली के गृहमंत्री कैलाश गहलोत को एक पत्र लिखकर सिविल डिफेंस वालंटियर्स को होमगार्ड के रूप में तैनात करने की योजना तैयार करने का आदेश दिया है। एलजी को भी इसका एक प्रस्ताव भेजा है और मांग की है कि पर्याप्त संख्या में होमगार्ड की नियुक्ति होने तक इन्हें बतौर बस मार्शल तैनात रखना चाहिए। सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा है कि बस मार्शल के पास काम करने का अनुभव है। इन्हें होमगार्ड के रूप में नियुक्त करने से सरकार को अनुभवी लोग मिल जाएंगे और सिविल डिफेंस वालंटियर्स की नौकरी भी नहीं जाएगी। इन वालंटियर्स ने बसों में सफर करने वाली महिलाओं को सुरक्षा प्रदान करने में शानदार भूमिका निभाई है।

शाह व मोदी को सता रहा हार का डर : मान

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि देश को सांप्रदायिकता, भ्रष्टाचार नशा और महंगाई की आंधी खाई से निकालने के लिए जनता को आपसी मतभेद भुलाकर लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन को मजबूत करना होगा ताकि भाजपा को सत्ता से बेदखल किया जा सके। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं से एकजुट होकर चुनाव लड़ने की अपील की। भगवंत मान ने कहा कि आम आदमी पार्टी देश की नंबर वन अनुशासित पार्टी है। इसकी विदेश में भी मिसाल दी जाती मुख्यमंत्री भगवंत मान ने भाजपा पर तंज कसा और कहा कि जब बजने लगी हार के खतरे की घंटियां तो मोदी और अमित शाह को याद आने लगी केजरीवाल की गारंटियां।

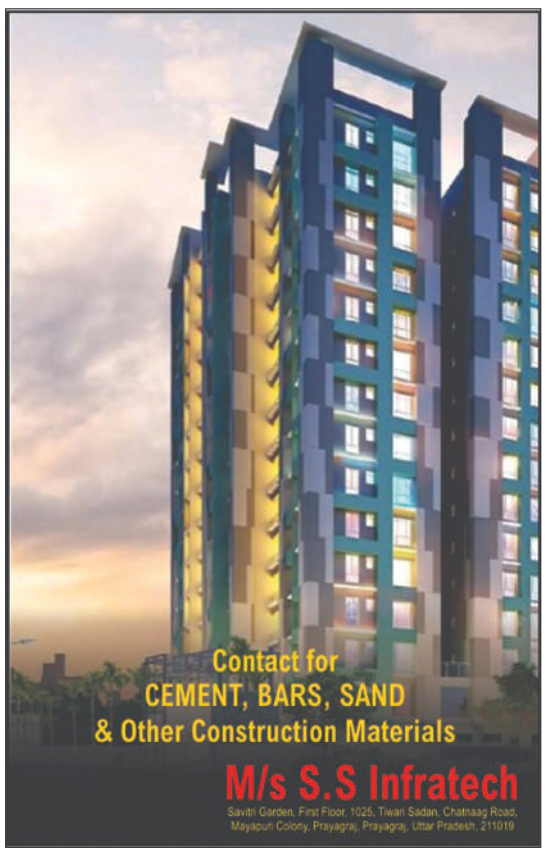

दक्षिण के राज्यों में चल रही राजनीतिक रार

तमिलनाडु में राज्यपाल व राज्य सरकार में टकरार

» कर्नाटक में कांग्रेस व जेडीएस में खिंची तलवार

» विवादों के बीच पीएम व गृहमंत्री भी निशाने पर

» राज्यपाल पर बरसे स्टालिन, पीएम से की हटाने की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दो दक्षिणी राज्यों तमिलनाडु व कर्नाटक में आजकल राजनीतिक उठापटक तेज हो गई। जहां तमिलनाडु में राज्य सरकार व राज्यपाल के खिलाफ तकरार जगजाहिर हो गई है वहीं कर्नाटक में राज्य सरकार व विपक्षी पार्टी जनता दल सेक्युलर के खिलाफ बंगलुरु में एक स्थान को मिलाने को लेकर तलवारें खींच गई हैं। दोनों राज्यों ये सारे विवाद राजनीति रंग लेने लगे हैं। ये ऐसे विवाद है जिससे जनता के सरोकार जुड़े हैं। ये वहां के सियासी दलों के वोटों को भी प्रभावित करते हैं। आगे देखना ये दिलचस्प होगा कि ये मुद्दे चुनावों में कितने चलते हैं।असल में तमिलनाडु में स्टालिन ने कहा कि पिछले दो दिनों से आप सभी जानते हैं कि तमिल गवर्नर आरएन रवि क्या झूठ बोल रहे हैं। मेरे अनुसार, यह व्यक्ति जो झूठ फैला रहा है और पूछ रहा है कि द्रविड़म क्या है, उसे यहीं रहना चाहिए। गौरतलब हो कि राज्यपाल ने अभी कुछ दिन पहले अपनी पुलिस पर सहयोग ने करने का आरोप लगाया था।

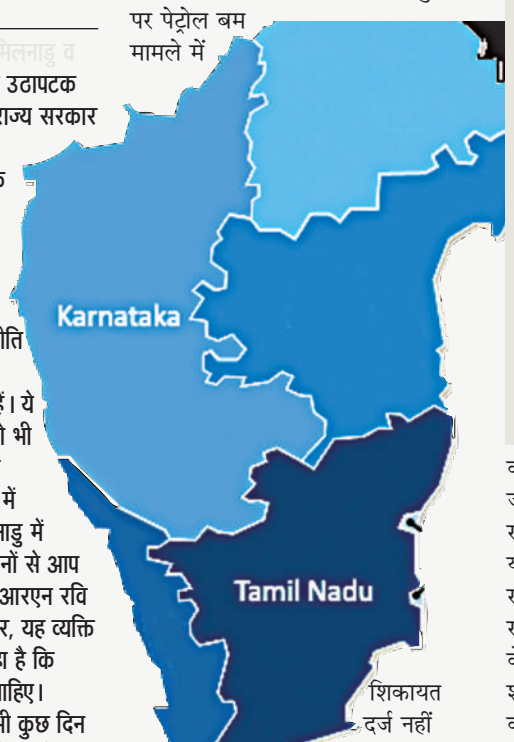

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने शुक्रवार को तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि के खिलाफ अपना हमला तेज कर दिया। इसके साथ ही तंज भरे लहजे में उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से संसदीय चुनाव तक उन्हें नहीं हटाने की मांग की। उन्होंने कहा कि एक झूठ बेचने वाला जिसने पूछा कि द्रविड़म क्या है, हमारी मदद करेगा (चुनावी तौर पर)। उनका यह हमला राजभवन द्वारा स्थानीय पुलिस पर पेट्रोल बम मामले में शिकायत दर्ज नहीं करने का आरोप लगाने के एक दिन बाद आया है। स्टालिन ने कहा कि पिछले दो दिनों से आप सभी जानते हैं कि वह (तमिल गवर्नर आरएन रवि) क्या झूठ बोल रहे हैं। मेरे अनुसार, यह व्यक्ति जो झूठ फैला रहा है और पूछ रहा है कि द्रविड़म क्या है, उसे यहीं रहना चाहिए। इससे हमें मदद मिलेगी। मैं केंद्र सरकार, पीएम और गृह मंत्री अमित शाह से अनुरोध कर रहा हूं कि कम से कम संसद चुनाव तक उन्हें न बदला जाए। कड़े शब्दों में एक बयान में, तमिलनाडु राजभवन ने गुरुवार को कहा कि राज्य पुलिस ने बम मुद्दे पर अपनी शिकायत दर्ज नहीं की और हमले को केवल बर्बरता के रूप में कमजोर करने का प्रयास किया। इसमें आगे कहा गया है कि एक निष्पक्ष जांच शुरू होने से पहले ही मार दी गई थी। भाजपा ने गुरुवार को पेट्रोल बम मामले की आतंकवाद रोधी राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) से जांच कराने की मांग की। सत्तारूढ़ द्रमुक ने बुधवार को कहा था कि यह घटना निंदनीय है और कहा कि सरकार कभी भी ऐसी अप्रिय घटनाओं की अनुमति नहीं देगी क्योंकि इससे शासन की बदनामी होगी। राजभवन ने एक्स पर लिखा कि पुलिस ने राजभवन पर हमले की शिकायत दर्ज नहीं की। सुओ मोटो ने हमले को साधारण बर्बरता के कृत्य के रूप में कमजोर कर दिया और जल्दबाजी में गिरफ्तार आरोपियों को आधी रात को मजिस्ट्रेट को जगाकर जेल भेज दिया और विस्तृत पूछताछ को रोक दिया, जिससे हमले के पीछे के लोगों का पर्दाफाश हो सके। निष्पक्ष जाँच शुरू होने से पहले ही खत्म हो जाती है।

डीके शिवकुमार व कुमारस्वामी आमने-सामने

उपमुख्यमंत्री ने घोषणा की है कि रामानगर जिले में उनका निर्वाचन क्षेत्र कनकपुरा जल्द ही बेंगलुरु का हिस्सा होगा, और पांच तालुकों के साथ रामानगर जिले का नाम बदलकर बेंगलुरु दक्षिण कर दिया जाएगा और जिला मुख्यालय रामानगर होगा। कुमारस्वामी, जिनका निर्वाचन क्षेत्र चन्नापटना भी इसी जिले में है, ने पलटवार किया है। कर्नाटक में समुदायों के लेकर राजनीतिक खुब होती है। सभी दलों को किसी ना किसी विषेश समुदाय का समर्थन जरूर प्राप्त रहता है। दिलचस्प बात यह भी है कि राज्य के वोक्कालिगा क्षेत्र में प्रभुत्व के लिए कांग्रेस नेता और कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और जद (एस) के देवगौड़ा परिवार के बीच प्रतिद्वंद्विता लगभग चार दशक पुरानी है। उस प्रतिद्वंद्विता का एक बड़ा हिस्सा रामनगर जिले के निर्वाचन क्षेत्रों के आसपास केंद्रित है। जद (एस) के उत्तराधिकारी एचडी कुमारस्वामी द्वारा शिवकुमार पर बढ़ते हमलों के बीच, पार्टी पुराने मैसूर क्षेत्र में अपना आधार फिर से हासिल करने की कोशिश कर रही है, शिवकुमार आक्रामक होकर सामने आए हैं। उपमुख्यमंत्री ने घोषणा की है कि रामानगर जिले में उनका निर्वाचन क्षेत्र कनकपुरा जल्द ही बेंगलुरु का हिस्सा होगा, और पांच तालुकों के साथ रामानगर जिले का नाम बदलकर बेंगलुरु दक्षिण कर दिया जाएगा और जिला मुख्यालय रामानगर होगा। कुमारस्वामी, जिनका निर्वाचन क्षेत्र चन्नापटना भी इसी जिले में है, ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि 2007 में जब जद (एस) भाजपा के साथ गठबंधन में थी, तब मुख्यमंत्री के रूप में कुमारस्वामी के कार्यकाल में पार्टी के गढ़, रामानगर को एक जिला बनाया गया था। शिवकुमार पहले ही वोक्कालिगा आधार के लिए जद (एस) को टक्कर देने में कामयाब रहे हैं। हाल के विधानसभा चुनावों में, जिसमें कांग्रेस ने बड़ी जीत हासिल की, जद (एस) के लिए वोक्कालिगाओं के प्रभुत्व वाले क्षेत्र में महत्वपूर्ण गिरावट देखी गई। रामनगर जिले में, जद (एस) ने कांग्रेस की 3 सीटों की तुलना में सिर्फ 1 सीट जीती। 2018 के विधानसभा चुनावों में, जद (एस) ने यहां 3 सीटें जीती थीं, कुमारस्वामी ने दूसरी सीट खाली करने से पहले चन्नापटना और रामानगर दोनों सीटें जीती थीं। उनकी पत्नी अनीता ने बाद में उपचुनाव में जीत हासिल की थी। मई के चुनावों में, कुमारस्वामी के बेटे निखिल, जो रामानगर से चुनाव लड़े थे, हारने वाले जद (एस) के दिग्गजों में से थे। अब, लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा के साथ गठबंधन करने के बाद, जद (एस) को अपनी बात कहने के लिए अपने आधार को बनाए रखने की जरूरत है। कुमारस्वामी ने गुरुवार को घोषणा की कि अगर राज्य सरकार ने रामनगर का नाम बदला तो वह आमरण अनशन करेंगे। उन्होंने शिवकुमार पर उन किसानों को धोखा देने का भी आरोप लगाया, जिन्होंने सरकार से लगभग 50 लाख रुपये प्रति एकड़ का दावा करके कनकपुरा के पास 50 एकड़ कर्नाटक मिल्क फेडरेशन मेगा डेयरी को जमीन सौंप दी थी और किसानों को केवल 50,000 रुपये से 1 लाख रुपये प्रति एकड़ दिए थे। वोक्कालिगा वोट से परे, कांग्रेस नेता और देवगौड़ा के बीच प्रतिद्वंद्विता व्यक्तिगत है। 1985 में, शिवकुमार ने तत्कालीन सथानुर विधानसभा क्षेत्र से कुमारस्वामी को हराया था। 2004 के लोकसभा चुनावों में, तत्कालीन कनकपुरा निर्वाचन क्षेत्र से देवेगौड़ा की राजनीतिक नौसिखिया थेजस्विनी गौड़ा से हार में शिवकुमार का हाथ देखा गया था। देवेगौड़ा दूसरी सीट हासन से चुनाव लड़कर लोकसभा में पहुंचे थे।

राजस्थान की धरा पर..वसुंधरा..वसुंधरा और वसुंधरा...

» भाजपा प्रत्याशियों की सूची में पूर्व सीएम के चहेतों को वरीयता

» आलाकमान को झुकाने में हुई कामयाब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान में आखिरकार भाजपा ने पहली सूची जारी होने के बाद मचे बवाल को शांत करने के लिए दूसरी सूची में वसुंधरा राजे व उनके करीबन दो दर्जन समर्थकों को टिकट देकर विवाद को शांत करने का प्रयास किया। भाजपा के इस फैसले के बाद सियासी गलियारे में यही चर्चा है कि राजस्थान की धरा पर वसुंधरा, वसुंधरा और वंसुधरा। राजस्थान में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने अभी तक दो सूचियों में 124 प्रत्याशियों के नामों की घोषणा की है। भाजपा की पहली सूची में 41 व दूसरी सूची में 83 नाम घोषित किए गए हैं।

पहली सूची में जहां भाजपा ने कर्नाटक फार्मूला अपनाते हुए कई दिग्गजों के टिकट काट दिए थे। वैसा कुछ दूसरी सूची में देखने को नहीं मिला। पहली सूची में भाजपा ने छह लोकसभा सदस्य, एक राज्यसभा सदस्य व दो पूर्व सांसदों को भी मैदान में उतारा था। मगर दूसरी सूची में किसी भी सांसद को प्रत्याशी नहीं बनाया गया। राजनीतिक क्षेत्रों में चर्चा है कि भाजपा की पहली सूची जारी होने के साथ ही शुरू हुआ विवाद अभी तक थमने का नाम नहीं ले रहा है। दूसरी सूची में शामिल बहुत से प्रत्याशियों का भी विरोध हो रहा है।

वसुंधरा को तव्वजों का मिलेगा लाभ

विधानसभा चुनाव में टिकटों की घोषणा से पूर्व भाजपा द्वारा बार-बार सामूहिक नेतृत्व व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पर चुनाव लड़ने की बात कही जा रही थी। भाजपा आलाकमान बार-बार इस बात का संकेत भी दे रहा था कि राजस्थान में पुराने नेताओं के स्थान पर नए लोगों को मौका दिया जाएगा। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे भी लगातार हाशिये पर धकेली जा रही थीं। सभी राजनीतिक परिवेक्षकों का मानना था कि इस बार के चुनाव में भाजपा आलाकमान वसुंधरा राजे व उनके समर्थकों को तवज्जो नहीं देगा। मगर पहली सूची जारी होने के बाद मचे बवाल को शांत करने के लिए दूसरी सूची में वसुंधरा राजे व उनके करीबन दो दर्जन समर्थकों को टिकट दिया गया है। वसुंधरा राजे को भी उनकी परंपरागत झालरापाटन सीट से ही पांचवीं बार प्रत्याशी बनाया गया है। भाजपा की दूसरी सूची को देख कर लगता है कि भाजपा आलाकमान ने अपने रुख में बदलाव कर लिया है। भाजपा ने दूसरी सूची में 51 मौजूदा विधायकों को टिकट दिया है। इसके साथ ही इस सूची में 27 सीटें ऐसी हैं जिन पर 2018 के विधानसभा चुनाव में भाजपा हार गई थी। 16 सीटों पर प्रत्याशी बदले गए हैं।पहली सूची में तो जालौर से सांसद देवजी पटेल को सांचैर से प्रत्याशी बनाने का इतना अधिक विरोध हुआ की स्थिति मारपीट तक पहुंच गई। देवजी पटेल की गा?ी को रास्ते में रोक कर उनके साथ मारपीट तक करने का प्रयास किया गया था। वहां पर पिछली बार दानाराम चौधरी चुनाव में हार गये थे। इस बार जीवाराम चौधरी दावेदारी जता रहे थे। देवजी पटेल को प्रत्याशी बनाने से दोनों नेता मिलकर विरोध कर रहे हैं। जयपुर के विद्याधर नगर सीट से मौजूदा विधायक नरपत सिंह राजवी का टिकट काट कर राजसमंद से सांसद दिया कुमारी को दिया गया था। उसके बाद से राजवी के समर्थक दीया कुमारी का विरोध कर रहे थे। मगर दूसरी सूची में राजवी को चित्तौड़गढ़ से प्रत्याशी बनाकर उनका विरोध शांत कर दिया गया है। मगर चित्तौड़गढ़ से दो बार के मौजूदा विधायक चन्द्रभान सिंह आक्या अपनी टिकट कटने से इतने अधिक नाराज हैं कि आने वाले समय में वह निर्दलीय भी ताल ठोक सकते हैं। आक्या का कहना है कि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी से मेरी पुराने समय से राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता है। जिस कारण जोशी ने मेरी टिकट काटी है। राजसमंद से विधायक दीप्ती माहेश्वरी का भी जमकर विरोध हो रहा है। दीप्ती माहेश्वरी अपनी माता किरण माहेश्वरी के निधन के बाद हुए उपचुनाव में जीत कर विधायक बनी थी। अब पार्टी ने उन्हें दूसरी बार प्रत्याशी बनाया है तो स्थानीय लोग उनके खिलाफ मुखर होकर विरोध कर रहे हैं। वहां के अन्य दावेदारों का कहना है कि बाहरी प्रत्याशी को कब तक सहेंगे। असम का राज्यपाल बनाए जाने से खाली हुई उदयपुर शहर विधानसभा सीट पर पार्टी ने पूर्व जिला अध्यक्ष ताराचन्द जैन को प्रत्याशी बनाया है। वहां से टिकट के दावेदारी कर रहे उदयपुर नगर निगम के उप महापौर पारस सिंघवी ने मोर्चा खोल दिया है। सिंघवी ने आरोप लगाते हुए कहा कि पार्टी की तरफ से उदयपुर में ऐसे व्यक्ति को टिकट दिया गया है जो सनातन विरोधी हैं और पूजा पद्धति में विश्वास नहीं रखता है। सिंघवी का कहना है कि असम के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया ने मेरी टिकट कटवा कर जैन को प्रत्याशी बनवाया है।जयपुर की झोटवाड़ा सीट पर पूर्व मंत्री राजपाल सिंह शेखावत का टिकट काटकर पूर्व केंद्रीय मंत्री व जयपुर ग्रामीण सीट से दूसरी बार के सांसद राज्यवर्धन सिंह राठौड़ को मैदान में उतारा गया है। इस सीट पर भी राज्यवर्धन राठौड़ को राजपाल समर्थकों के विरोध का सामना करना पड़ रहा है। भाजपा द्वारा घोषित 124 प्रत्याशियों में से तीन दर्जन प्रत्याशियों को अपने प्रतिद्वंद्वियों के कड़े विरोध का सामना करना पड़ रहा है। कई सीटों पर तो स्थिति इतनी खराब हो रही है कि पार्टी पदाधिकारियों की भी कोई नहीं सुन रहा है।

कई विधायकों की काटे गए टिकट

भाजपा ने दूसरी सूची में आठ विधायकों के टिकट काटे हैं। इसमें सूरसागर से सूर्यकांता व्यास, सांगानेर से अशोक लाहोटी, चित्तौड़गढ़ से चंद्रभान सिंह आक्या, सूरजगढ़ से सुभाष पूनिया, नागौर से मोहन राम चौधरी, मकराना से रूपाराम, बड़ी सादड़ी से ललित कुमार ओस्तवाल, व घाटोल से हरेंद्र नीनामा शामिल हैं। नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ की सीट बदल कर उन्हें चूरू की बजाय तारानगर से टिकट दी गई है। वे पहले भी तारानगर से चुनाव लड़ कर जीत चुके हैं। कुछ दिन पहले ही भाजपा में शामिल हुए उदयपुर राजघराने के सदस्य विश्वराज सिंह मेवाड़ को नाथद्वारा से टिकट दिया गया है। उनका मुकाबला विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सीपी जोशी से होगा। दिग्गज जाट नेता रहे नाथूराम मिर्धा की पोती व नागौर से कांग्रेस सांसद रही डॉ. ज्योति मिर्धा को नागौर सीट से प्रत्याशी बनाया गया है।भाजपा की अभी तक जारी की गई सूची को देखकर लगता है कि सबसे अधिक टिकट वसुंधरा समर्थकों को दी गई है। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, राज्यसभा सांसद डॉक्टर किरोडीलाल मीणा, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के समर्थकों को भी प्रत्याशी बनाया गया है। भाजपा प्रत्याशियों की सूची पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की छाप भी दिखाई दे रही है। संघ से जड़े कई लोगों को प्रत्याशी बनाया गया है। भाजपा की सूची को देखकर लगता है कि भाजपा आलाकमान द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे को प्रदेश की राजनीति से दूर करने के प्रयास सफल नहीं हो पाए हैं। वसुंधरा राजे राजस्थान में भाजपा की मजबूरी बन गई हैं। वसुंधरा समर्थक उन विधायकों के नाम भी सूची में शामिल हो गए हैं जिन पर गहलोत सरकार पर आये संकट के दौरान पार्टी लाइन से अलग रहने के आरोप लगे थे। हाडौती, मेवाड़ क्षेत्र में वसुंधरा राजे ने अपने ज्यादातर समर्थकों के टिकट फिलयर करवा कर भाजपा आलाकमान को झुका कर यह दिखा दिया है कि राजस्थान में वसुंधरा है तो भाजपा है। वसुंधरा के बिना राजस्थान में भाजपा की सरकार बनना मुश्किल ही नहीं असंभव है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

धोनी का खुलासा, बहुत भारी मन से लिया संन्यास

भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज व कप्तान रहे महेंद्र सिंह धोनी ने अपने संन्यास की पूरी कहानी का अब खुलासा किया है उन्होंने कि जब आप एक करीबी गेम हार जाते हैं तो अपनी भावनाओं को नियंत्रित करना मुश्किल हो जाता है। अंदर ही अंदर मैंने अपनी पूरी योजना बना ली थी। मेरे लिए वह (2019 भारत बनाम न्यूजीलैंड सेमीफाइनल) आखिरी दिन था जब मैंने भारत के लिए क्रिकेट खेला। मैंने एक साल बाद संन्यास ले लिया, लेकिन सच यह है कि मैं उसी दिन रिटायर हो गया था। हम क्रि केटरों को कुछ मशीनें और वह सब दी जाती हैं। इसलिए जब भी मैं ट्रेनर के पास जाता था तो मैं उन्हें वापस देता था। इस पर ट्रेनर कहते थे, नहीं, तुम इसे रखो। तब मेरे दिमाग में ख्याल आता था कि मैं उन्हें कैसे बताऊं कि मुझे अब इसकी जरूरत नहीं पड़ेगी। मैं उस समय संन्यास की घोषणा नहीं करना चाहता था। 15 अगस्त 2020 को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया था। हालांकि, जिसने भी 10 जुलाई 2019 को भारत बनाम न्यूजीलैंड सेमीफाइनल मैच देखा था, माही के आउट होने पर सबको यकीन हो गया था कि वह अब क्रिकेट नहीं खेलेंगे।

धोनी के रन आउट ने वह मैच पलट दिया था और टीम इंडिया न्यूजीलैंड से 18 रन से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गई थी। वह जिस तरह से मैदान से चेंज रूम तक पहुंचे थे और लोगों ने धोनी को स्टैंडिंग ओवेशन दिया था, फैंस को इस बात का अंदाजा हो गया था कि वह धोनी को भारतीय जर्सी में आखिरी बार देख रहे हैं। धोनी का करियर रन आउट से ही शुरू हुआ था और रन आउट पर ही खत्म हुआ। अब माही ने अपने आखिरी दिन और इसके पीछे की पूरी घटना पर बातचीत की है। न्यूजीलैंड के खिलाफ 2019 विश्व कप का सेमीफाइनल खेलने के बाद धोनी अगले 13 महीने तक क्रिकेट से दूर रहे थे। किसी को नहीं पता था कि वह वापस आएंगे या संन्यास ले लेंगे। विश्व कप के बाद वेस्टइंडीज दौरे, दक्षिण अफ्रीका दौरे और श्रीलंका के खिलाफ सीरीज का हिस्सा नहीं थे। हालांकि, वह चेन्नई सुपर किंग्स का प्रतिनिधित्व करने के लिए लौटे थे। हालांकि, उन्होंने बताया कि न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच वाले दिन को ही आखिरी दिन मान लिया था। एक क्रिकेटर के लिए संन्यास लेना कभी आसान नहीं होता, खासकर उन लोगों के लिए जिनका पूरा जीवन खेल के इर्द-गिर्द घूमता रहा है। धोनी के मामले में भी ऐसा ही हुआ। भारत के लिए सीमित ओवरों के सबसे महान कप्तान, क्रिकेट इतिहास में आईसीसी के तीनों बड़े टूर्नामेंट जीतने वाले एकमात्र कप्तान, उनके अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट करियर का इतना दुखद अंत होगा ये किसी ने नहीं सोचा था। हालांकि, धोनी का जलवा अभी भी आईपीएल में बरकरार है ।

मेरे लिए वह (2019 भारत बनाम न्यूजीलैंड सेमीफाइनल) आखिरी दिन था जब मैंने भारत के लिए क्रिकेट खेला। मैंने एक साल बाद संन्यास ले लिया, लेकिन सच यह है कि मैं उसी दिन रिटायर हो गया था। हम क्रि केटरों को कुछ मशीनें और वह सब दी जाती हैं। इसलिए जब भी मैं ट्रेनर के पास जाता था तो मैं उन्हें वापस देता था। इस पर ट्रेनर कहते थे, नहीं, तुम इसे रखो। तब मेरे दिमाग में ख्याल आता था कि मैं उन्हें कैसे बताऊं कि मुझे अब इसकी जरूरत नहीं पड़ेगी।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

अपराध और राजनीति की रिश्तेदारी नकारें

विश्वनाथ सचदेव

पांच राज्यों के चुनाव का बुखार चढ़ने लगा है। उम्मीदवार, राजनीतिक दल और चुनावी कार्यकर्ता सबने कमर कस ली है। चुनाव संबंधी खबरें मीडिया की सुर्खियां बन रही हैं। इन्हीं खबरों में से एक है 'एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स' (एडीआर) द्वारा मध्य प्रदेश के बारे में जारी की गई एक जानकारी। यह जानकारी राज्य के उन विधायकों के बारे में है जो अपने आपराधिक रिकार्ड के बावजूद पिछले पांच साल से राज्य के विधानसभा में बैठकर राज्य के भावी विकास की योजनाएं बनाते रहे हैं। 'एडीआर' के मुताबिक राज्य के 230 मौजूदा विधायकों में से 93 के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं और इनमें ऐसे विधायक भी हैं जिन पर हत्या और हत्या के प्रयास जैसे गंभीर आरोप लगे हैं। आरोपी तब तक सज़ा का भागीदार नहीं होता जब तक अदालत में अपराध प्रामाणित न हो जाये। लेकिन सवाल यह उठता है कि वह क्या मजबूरी होती है जिसके चलते राजनीतिक दलों को ऐसे लोगों को चुनाव के लिए टिकट देना पड़ता है, जिन्हें अपने हलफनामे में अपने पर लगे आरोपों की पूरी जानकारी देनी होती है।

एडीआर द्वारा मध्य प्रदेश के लिए जारी की गई इस रिपोर्ट के अनुसार दागी राजनेता लगभग सभी दलों में पाये जा सकते हैं। उदाहरण के लिए आरोपी 93 विधायकों में से 39 भाजपा के हैं, 52 कांग्रेस के, एक बसपा का और एक निर्दलीय। राज्य में मुख्य मुकाबला भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस के बीच है। इस बार कितने दागी उम्मीदवार होंगे, यह तो उम्मीदवारों की पूरी सूची जारी होने और उनके हलफनामे के बाद ही पता चलेगा, पर यह तो स्पष्ट है कि हमारी राजनीति और अपराध के रिश्ते बहुत मजबूत हैं। इस संदर्भ में मध्य प्रदेश और देश के बाकी राज्यों में कोई विशेष अंतर नहीं है। और यह भी सच है कि यह रिश्ता विधानसभाओं तक सीमित नहीं है। संसद तक पहुंची हुई है यह बीमारी। बहुत पुरानी बात नहीं है जब सिंगापुर के राष्ट्रपति ने भारत की संसद में आपराधिक प्रवृत्ति के राजनेताओं की बढ़ती संख्या का हवाला देकर जनतंत्र के कमजोर होने की बात कही थी।

अच्छा नहीं लगा था किसी बाहरी व्यक्ति द्वारा हमारे देश के बारे में इस तरह की बात करना और हमारी सरकार ने यह बात सिंगापुर के राष्ट्रपति तक पहुंचा भी दी थी। पर इससे यह हकीकत तो नहीं बदलती कि हमारी

राजनीति पर आपराधिक तत्व और प्रवृत्तियां हावी होती जा रही हैं। हम इस बात पर गर्व कर सकते हैं कि हमारा भारत दुनिया का सबसे पुराना गणतंत्र है और आबादी के लिहाज से दुनिया का सबसे बड़ा जनतंत्र भी, पर भारतीय राजनीति पर आपराधिक प्रवृत्तियों का साया हमारे लिए चिंता की बात होनी चाहिए। चिंता की बात यह भी है कि हमारे राजनेताओं के साथ जिन अपराधों को जोड़ा जा रहा है वह सिर्फ 'व्हाइट कॉलर' अपराध ही नहीं है, हत्या, अपहरण, आगजनी, बलात्कार जैसे आरोप भी लगते रहे हैं। यह बात भी अपने आप में कम चौंकाने वाली नहीं है कि इन सारे आरोपों के बावजूद मतदाता ऐसे दागी नेताओं को चुनता है! ऐसे लोगों को उम्मीदवार बनाये जाने और उनके चुने जाने के आंकड़े भी कम चौंकाने वाले नहीं हैं। सन् 2004 के बाद हर चुनाव में आपराधिक तत्वों की हमारी राजनीति में सक्रियता और भागीदारी बढ़ी ही है। वर्ष 2014 के चुनाव में हमारे 24 प्रतिशत निर्वाचित प्रतिनिधियों पर आपराधिक मामले चल रहे थे, 2019 में यह प्रतिशत बढ़कर 43 हो गया। फरवरी, 2023 में अदालत में एक याचिका दायर की गयी थी, जिसमें कहा गया था कि 2009 से अब तक घोषित आपराधिक मामलों वाले सांसदों की संख्या में 44 प्रतिशत की वृद्धि हो गयी थी। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में 159 सांसदों ने अपने खिलाफ गंभीर आरोपों की जानकारी दी थी। इन गंभीर आरोपों में बलात्कार, हत्या, हत्या का प्रयास, अपहरण और महिलाओं के विरुद्ध अपराध शामिल हैं। मतदाता को भी उन्हीं उम्मीदवारों में से चुनाव करना होता है जो उनके समक्ष प्रस्तुत किये जाते हैं। सवाल यह उठता है कि राजनीतिक दल ऐसे दागी उम्मीदवारों को चुनाव में उतारते क्यों हैं? इसका सीधा-सा जवाब है, राजनीतिक दलों की नजर सिर्फ चुनाव जीतने पर होती है। जीतने के लिए जो कुछ जरूरी है वह सब करने को तैयार हैं हमारे राजनेता, हमारे राजनीतिक दल!

हमारी जनतांत्रिक व्यवस्था के 75 सालों का लेखा-जोखा इस बात का साक्षी है कि चुनावों में जीत को ही सर्वोपरि मान लिया गया है। यह बात भी स्पष्ट है कि इस जीत में धन-बल और बाहुबल की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। बाहुबल का सीधा रिश्ता अपराधों से है और धन बल का तमाशा भी हम लगातार देखते आ रहे हैं। यह अनायास ही नहीं है कि चुनावों में जीतने वाले हमारे राजनेताओं में एक बड़ी संख्या करोड़पतियों की होती है।

भारतीय संस्कृति में रचा बसा एक देश

विवेक शुक्ला

अगर आप समझ रहे हैं कि राम, अयोध्या और 'राम-राज्य' भारत में ही हैं, तो माफ करें आपको थाईलैंड की यात्रा करनी चाहिए। आप दक्षिण पूर्व एशिया के इस देश में हिन्दू देवी-देवताओं और प्रतीकों को चप्पे-चप्पे पर देखते हैं। यूं थाईलैंड बौद्ध देश है। पर यहां श्रीराम भी आराध्य हैं। यहां की राजधानी बैंकाक से सटा है अयोध्या शहर। थाईलैंड में मान्यता है कि यही थी श्रीराम की राजधानी। आप जैसे ही थाईलैंड की राजधानी बैंकाक के हवाई अड्डे पर उतरते हैं, तो आपको उसका नाम पढ़कर हैरानी अवश्य होती है। नाम है स्वर्णभूमि एयरपोर्ट। आप एयरपोर्ट से शहर की तरफ बढ़ते हैं, तब आपको राम स्ट्रीट और अशोक स्ट्रीट जैसे साइनबोर्ड पढ़कर वास्तव में सुखद अनुभव होता है। दरअसल, आसियान देश थाईलैंड में सरकार भी हिन्दू धर्म का आदर करती है। थाईलैंड का राष्ट्रीय चिन्ह गरुड़ है। हिन्दू धर्म की पौराणिक कथाओं में गरुड़ को विष्णु की सवारी माना गया है। गरुड़ के लिए कहा जाता है कि वह आधा पक्षी और आधा पुरुष है। उसका शरीर इंसान की तरह का है, पर चेहरा पक्षी से मिलता है। उसके पंख हैं।

अब प्रश्न उठता है कि जिस देश का सरकारी धर्म बौद्ध हो, वहां पर हिन्दू धर्म का प्रतीक क्यों है? इस प्रश्न का उत्तर यह है कि चूंकि थाईलैंड मूल रूप से हिन्दू धर्म से संबंधित था, इसलिए उसे इसमें कोई आपत्ति नजर नहीं आती कि वहां पर हिन्दू धर्म का प्रतीक राष्ट्रीय चिन्ह हो। यही नहीं, हिन्दू धर्म का थाई राज परिवार पर सदियों से गहरा प्रभाव है। माना यह जाता है कि थाईलैंड के राजा भगवान विष्णु के अवतार हैं। इसी भावना का सम्मान करते हुए थाईलैंड का राष्ट्रीय प्रतीक गरुड़ है। यहां तक कि वहां कभी सांप्रदायिक दंगे नहीं हुए। थाईलैंड में राजा को राम कहा जाता है। राज परिवार अयोध्या में रहता है। बौद्ध होने के बावजूद थाईलैंड के लोग अपने राजा को विष्णु का अवतार मानते हैं। इसलिए थाईलैंड में एक तरह से राम-राज्य है। वहां के राजा को भगवान श्रीराम का वंशज माना जाता है। आपको थाईलैंड एक के बाद एक आश्चर्य देगा। थाईलैंड में थेरावाद बौद्ध मत के मानने वाले बहुमत में हैं, फिर भी वहां का राष्ट्रीय ग्रंथ रामायण है। जिसे थाई भाषा में 'राम-कियेन' कहते हैं। जिसका अर्थ राम-कीर्ति होता है, जो वाल्मीकि रामायण पर आधारित है।

थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक के सबसे बड़े और भव्य हॉल का नाम रामायण हॉल है। यहां पर श्रीराम के जीवन पर आधारित नाटक और कठपुतलियों का प्रदर्शन हर रोज चलता है। इसके मुख्य पात्रों में राम (राम), लक (लक्ष्मण), पाली (बाली), सुक्रीप (सुग्रीव), ओन्कोट (अंगद), खोम्पून (जाम्बवन्त), बिपेक (विभीषण, रावण, जटायु आदि हैं। क्या भारत के किसी शहर में हर रोज रामलीला का मंचन होता है? कतई नहीं। हमारे यहां तो रामलीला के मंचन घट रहे हैं। थाईलैंड में श्रीराम की जीवन लीला को रोज हजारों लोग देखने के लिए आते हैं। यकीन नहीं होता कि भारत से बाहर किसी देश में हर दिन श्रीराम कथा या कहें कि रामलीला का मंचन होता है।

अगर बात श्रीराम से हटकर नवरात्रों की करें तो इस दौरान बैंकॉक के सिलोम रोड पर स्थित श्रीनारायण मंदिर हिन्दुओं का केन्द्र बन जाता है। यहां के सभी हिन्दू इधर कम से कम एक बार जरूर आते हैं- पूजा या फिर सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए। इस दौरान भजन, कीर्तन और अन्य धार्मिक अनुष्ठान जारी रहते हैं। इस दौरान दुर्गा, लक्ष्मी और सरस्वती जी की एक दिन सवारी भी मुख्य मार्गों से निकलती है। इसमें भगवान गणपति, श्रीकृष्ण, सुब्रमण्यम और दूसरे देवी-देवताओं की मूर्तियों को भी सजाकर किसी वाहन में रखा गया होता है। इस आयोजन में हजारों बौद्ध भी भाग लेते हैं। ये सवारी अपना तीन किलोमीटर का रास्ता सात घंटे में पूरा करती है। इसमें संगीत-नृत्य टोलियां भी रहती हैं। इस बीच, कुछ समय पहले एक चौंकाने वाला आंकड़ा पढ़ा। आंकड़ा यह था कि भारत की तुलना में छोटे से थाईलैंड में प्रति वर्ष करीब एक-डेढ़ करोड़ पर्यटक पहुंच रहे हैं। इनमें से अधिकतर भगवान बुद्ध से जुड़े मंदिरों के दर्शन करने के लिए वहां पर जाते हैं। क्या भारत में इतनी संख्या में पर्यटक बौद्ध तीर्थ स्थलों का भ्रमण करते हैं? नहीं। भारत में मुश्किल से 25 लाख विदेशी पर्यटक भी बौद्ध सर्किट में नहीं पहुंचते। यूं तो भारत की चाहत है कि दुनियाभर में फैले 50 करोड़ बौद्ध धर्म के अनुयायियों को भारत लाया जाए। बौद्ध अनुयायियों का गौतम बुद्ध की जन्मस्थली भारत को लेकर आकर्षण स्वाभाविक होना चाहिए। इसी के चलते जापान, थाईलैंड, म्यांमार, वियतनाम, श्रीलंका जैसे बौद्ध धर्म को मानने वाले देशों से पर्यटकों को भारत लाने की कोशिशें होती हैं।

पर्यटकों की आमद के लिहाज से बोधगया-राजगीर-नालंदा सर्किट देश के सबसे खासमखास पर्यटन स्थलों में आते हैं। पर इनकी संख्या थाईलैंड के बौद्ध मंदिरों में आने वाले पर्यटकों की अपेक्षा काफी कम होगी। आखिर वे कौन से कारण हैं जिनके चलते हम अपने देश में अधिक से अधिक बौद्ध पर्यटकों को खींच नहीं पा रहे हैं? थाईलैंड में जगह-जगह बौद्ध मंदिर हैं। उनमें भगवान बुद्ध की विभिन्न मुद्राओं में भव्य मूर्तियां हैं। इनमें टूरिस्ट पहुंचते हैं लाखों की संख्या में। इनके लिए वहां पर भोजन की उत्तम व्यवस्था की गई है। इनमें घूमते वक्त आपको कहीं कोई पर्यटकों की जेब से पैसे निकालता हुआ नहीं मिलता। सब जगहों पर व्यवस्था बेहतरीन रहती है। क्या हम इस तरह का दावा कर सकते हैं? बहरहाल, थाईलैंड में बौद्ध और हिन्दू धर्म का साथ-साथ चलना सुकून देता है।

ब्लड प्रेशर करे कंट्रोल

गुड़ में पोटैशियम और सोडियम पाया जाता है, जो शरीर में एसिड को कम करने में प्रभावी होता है। साथ ही इससे रेड ब्लड सेल्स स्वस्थ रहते हैं। रोजाना सुबह के समय 1 टुकड़ा गुड़ खाने से ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद मिलती है। गुड़ को अपनी डाइट में शामिल करने से आप अपने हाई या फिर लो ब्लड प्रेशर को कंट्रोल कर सकते हैं क्योंकि इसमें पोटैशियम और सोडियम होता है जो ब्लड लेवल को मेंटेन करने में मदद करता है।

पाचन को स्वस्थ्य रखता है

गुड़ में मौजूद गुण पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। अगर आप रोजाना सीमित मात्रा में गुड़ खाते हैं, तो इससे आपको कब्ज से राहत मिलती है और पाचन के स्वास्थ्य को बढ़ावा मिलता है।

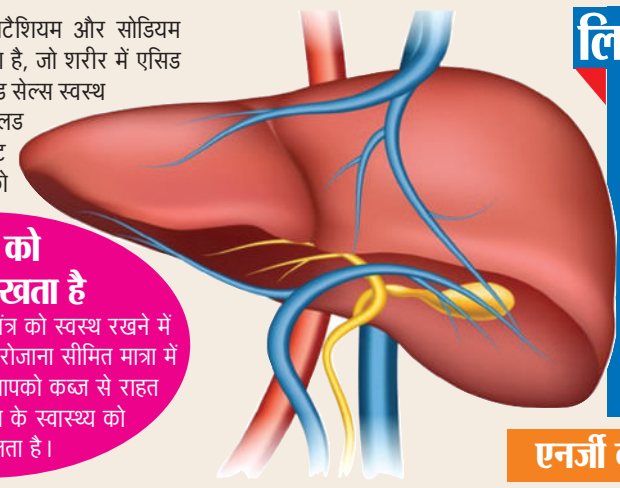

लिवर को स्वस्थ रखता है

लिवर जरूरी अंगों में से एक है, जिसे अपने कई अहम कार्यों के लिए जाना जाता है। लिवर न सिर्फ पाचन और मेटाबॉलिज्म को बेहतर बनाता है, बल्कि यह पोषक तत्वों के भंडारण के साथ ही शरीर में मौजूद टॉक्सिन्स को बाहर निकालने में भी अहम भूमिका भूमिका निभाता है। ऐसे में लिवर ध्यान रखना बेहद जरूरी है, ताकि यह अपना कार्य सही तरीके से कर सके। गुड़ में डिटॉक्सीफाइंग गुण पाए जाते हैं, इसे खाने से लिवर भी स्वस्थ रहता है, इसलिए आप चीनी की जगह गुड़ खाएं, जिससे लिवर की बीमारियों से बचे रहेंगे।

चीनी से बेहतर है गुड़

दुनियाभर में मीठा खाने के शौकीनों की कमी नहीं है। अक्सर लोग खाना खाने के बाद मीठा खाना पसंद करते हैं, लेकिन ज्यादा मीठा खाने के कारण डायबिटीज होने का भी खतरा रहता है, इसलिए आप चीनी की जगह खाने में गुड़ का इस्तेमाल करें, तो सेहत के लिए बेहतर होगा। चीनी में पोषक तत्वों की मात्रा न के बराबर होती है और इसमें कैलोरी भरपूर होती है तो वहीं गुड़ में आयरन, पोटैशियम, फास्फोरस, मैग्नेशियम जैसे तमाम पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो सेहत के लिए जरूरी हैं।

एनर्जी बूस्टर के रूप में काम करता है

आयरन से भरपूर गुड़ एनर्जी बूस्टर के रूप में काम करता है। इसमें आयरन, पोटैशियम, मैग्नीशियम, मैंगनीज, जिंक, कॉपर और कई पोषक तत्व पाए जाते हैं, इसके अलावा गुड़ में विटामिन-बी भी पाया जाता है, तो वहीं चीनी में कैलोरी की मात्रा होती है। ऐसे में खाने में चीनी की जगह गुड़ शामिल करना आवश्यक है।

इसके हैं ढेरों फायदे

जोड़ों में दर्द से छुटकारा

सुबह गुड़ का सेवन करने से जोड़ों में दर्द की परेशानी को दूर किया जा सकता है। यह गठिया में होने वाली अन्य समस्याओं से राहत दिलाने में प्रभावी है। दरअसल, सुबह के समय गुड़ खाने से शारीरिक और हड्डियों की संचरना बेहतर होती है, जिससे जोड़ों में होने वाले दर्द और सूजन की परेशानी को कम करता है।

मूड स्विंग्स से राहत दिलाए

अगर आप रोजाना गुड़ का छोटा टुकड़ा खाते हैं, तो इससे मूड स्विंग्स से निपटने में राहत मिलती है। इसके अलावा पीरियड्स में होने वाले ऐंठन और पेठ दर्द से भी छुटकारा मिल सकता है।

इम्युनिटी मजबूत होती है

पोषक तत्वों से भरपूर गुड़ इम्यून सिस्टम को मजबूत रखता है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट की मात्रा अधिक होती है, जो आपको कई बीमारियों से बचाने में मदद करता है। अगर आप खाने में चीनी की जगह गुड़ का इस्तेमाल करते हैं, तो इससे आप कई तरह के संक्रमण से बच सकते हैं।

हंसना मना है

विणा अपने पति से- तुम सच में, बहुत सीधे साधे और भोले हो, तुम्हे कोई भी आसानी से बेवकूफ बना सकता है। पति- सच कह रही हो, शुरुवात तो तुम्हारे पापा ने ही की है।

पति - अगर मै मर गया तो तुम दूसरी शादी करोगी? वाईफ - नहीं, मैं अपनी बहेन के साथ पूरी ज़िन्दगी रह लुंगी। वाईफ - अगर मैं मर गयी तो तुम दूसरी शादी करोगे? हसबंड - मैं भी तुम्हारी बहेन के साथ पूरी ज़िन्दगी रह लूंगा।

पहला दोस्त-' यार मैं जिस लड़की को चाहता हुं, उसने मुझसे शादी नहीं की। दूसरा दोस्त-' तुमने उसे बताया कि तेरा चाचा करोड़पती है? पहला दोस्त -' हां मेने बताया था। दूसरा दोस्त -' तो फिर? पहला दोस्त -' अब वो मेरी चाची है। आजकल दो चीज सिर्फ किस्मत वालो को ही मिलती है.. एक तो जंगल में घुमता सफेद हाथी..! और, दुसरा बिना अफेयर वाला जीवन साथी।

पति- मरते वक्त बीवी से-अलमारी से तेरा गोल्ड सेट मैंने ही चोरी किया था ! बीवी रोते हुए- कोई बात नहीं जी, पति- तेरे भाई ने तुझे 1 लाख अमानत दी थी, वो भी मैने ग़ायब की ! बीवी- मैने आपको माफ किया! पति- तेरी कमेटी के पैसे भी मैने ही चोरी किये थे! बीवी- कोई बात नहीं जी, आपको ज़हर भी मैंने ही दिया है।

कहानी | कोयला और चंदन

चौधरी पहलवान का पूरा जीवन जरूरतमंदों की सहायता के लिए समर्पित हुआ था। जब उनका अंतिम समय नजदीक आया तो उन्होंने अपने बेटे को पास बुलाया। बेटा पास आ गया तो उन्होंने उससे कहा - देखो बेटा, मैंने अपना सारा जीवन दुनिया को शिक्षा देने में गुजार दिया। अब अपने अंतिम समय में मैं तुम्हें कुछ जरूरी बातें बताना चाहता हूं। लेकिन इससे पहले जरा तुम एक कोयला और चंदन का एक टुकड़ा उठा कर ले लाओ। बेटे को पहले तो यह बड़ा अटपटा लगा, लेकिन उसने सोचा कि अब पिता का हुक्म है तो यह सब लाना ही होगा। उसने रसोई घर से कोयले का एक टुकड़ा उठाया। संयोग से घर में चंदन की एक छोटी लकड़ी भी मिल गई। वह दोनों को लेकर अपने पिता के पास पहुंच गया। उसे आया देख पहलवान बोले- बेटा, अब इन दोनों चीजों को नीचे फेंक दो। बेटे ने दोनों चीजें नीचे फेंक दीं और हाथ धोने जाने लगा तो पहलवान बोले- जरा ठहरो बेटा। मुझे अपने हाथ तो दिखाओ। बेटे ने हाथ दिखाए तो वह उसका कोयले वाला हाथ पकड़ कर बोले, देखा तुमने। कोयला पकड़ते ही हाथ काला हो गया। लेकिन उसे फेंक देने के बाद भी तुम्हारे हाथ में कालिख लगी रह गई। गलत लोगों की संगति ऐसी ही होती है। उनके साथ रहने पर भी दुख होता है और उनके न रहने पर भी जीवन भर के लिए बदनामी साथ लग जाती है। दूसरी ओर सज्जनों का संग इस चंदन की लकडी की तरह है जो साथ रहते हैं तो दुनिया भर का ज्ञान मिलता है और उनका साथ छूटने पर भी उनके विचारों की महक जीवन भर बनी रहती है। इसलिए हमेशा अच्छे लोगों की संगति में ही रहना।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष आज आपके द्वारा किए गए कार्यों से समाज के लोगों का भला होगा। यह भलाई ही आपको जीवन में सफलता दिलाएंगे। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे।

वृषभ आज आप कुछ रुपए बर्बाद करने वाली वस्तुओं की खरीदारी भी कर सकते हैं, लेकिन यह सब आपको अपनी आय को ध्यान में रखकर ही करना होगा।

मिथुन आज आपका दिन सामान्य रहेगा। आपके सभी काम मन-मुताबिक पूरे होंगे। आप बच्चों के साथ कहीं घूमने का प्लान बनाएंगे। सफर पर अपने किसी खास दोस्त को साथ ले जाएंगे।

कर्क आज आपको शत्रुओं पर विजय मिलेगी। कोई भी काम पूरे मन से करना होगा। कुछ दिनों से आप किसी काम के बिगड़ जाने से परेशान हो रहे हैं।

सिंह आज का दिन आपके लिए कुछ उलझन भरा रहेगा। आज आपको परिवार के किसी सदस्य से कुछ भली बुरी सुनने को मिल सकती है, जिसके कारण आप का मन परेशान रहेगा।

कन्या आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। दोस्तों के साथ कहीं घूमने की प्लानिंग करेंगे। आर्थिक स्थिति में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। किसी काम से एक्स्ट्रा भाग-दौड़ करनी पड़ेगी।

तुला आज सफलता मिलने से आपका आत्मविश्वास काफी बढ़ेगा और आप तरक्की खूब करेंगे। आज आपको दूसरों से मिलने-जुलने में कोई परेशानी नहीं होगी।

वृश्चिक आज आपके प्रभाव में वृद्धि का दिन रहेगा। आज यदि आप किसी ने वाहन मकान दुकान आदि को खरीदने का मन बना रहे हैं, तो उसमें आज आपको सफलता अवश्य प्राप्त होगी।

धनु आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। तरक्की के नए मौके मिलेंगे। परिवार में सुख-शांति का माहौल बना रहेगा। किसी अनजान व्यक्ति पर भरोसा करने से बचें।

मकर आज आपका रुका हुआ धंधा फिर से तरक्की के मार्ग पर चलने लगेगा। स्वजनों के साथ पार्टी-पिकनिक का आनंद मिलेगा। काम की अधिकता रहेगी।

कुम्भ आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहेगा। नौकरी कर रहे जातकों को आज अपने बॉस से कुछ कहासुनी हो सकती है, जिसमें उनको सावधान रहना होगा।

मीन आज आपका दिन अनुकूल रहेगा। आप अपनी काबिलियत से काम को सरलतापूर्वक पूरा कर लेंगे। व्यापारिक धन लाभ में इजाफा होगा।

सुब्रमण्यम स्वामी से भिड़ीं पंगा क्वीन, बोलीं-

महिलाओं में भी पुरुषों की तरह महान नेता बनने की होती है क्षमता : कंगना

कंगना रनौत हाल ही में दशहरा के मौके पर दिल्ली के लवकुश रामलीला मैदान पहुंची थीं जहां एक्ट्रेस ने रावण दहन किया था। इस पर आज भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने सवाल उठाया कि उन्हें रामलीला के लिए मुख्य अतिथि के रूप में क्यों आमंत्रित किया गया था। अब कंगना रनौत ने सुब्रमण्यम स्वामी पर पलटवार किया है। दरअसल कंगना रनौत की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही थी जिसमें एक्ट्रेस ने बिकिनी पहन रखी थी। इसे शेयर करते हुए एक यूजर ने लिखा था, क्या ये कंगना रनौत हैं जो मोदी सरकार द्वारा एंटरटेन की जाने वाली एकमात्र महिला हैं। उस यूजर के ट्वीट को शेयर करते हुए नेता ने लिखा था कि एसपीजी गॉसिप के मुताबिक, वह फ्रीक्वेंट फ्लायर हैं। एसपीजी को गॉसिप क्यों करनी चाहिए? क्यूंकि इस कमिटी पर काम का बोझ कुछ ज्यादा ही है। कंगना रनौत ने सुब्रमण्यम स्वामी के ट्वीट पर रिप्लाई करते हुए लिखा, एक स्विमसूट की फोटो और दकियानूसी कहानी बनाकर क्या आप ये कहना चाह रहे हैं कि अपने शरीर का मांस देने के लिए अलावा मेरे राजनीति में रास्ता बनाने का कोई दूसरा जरिया नहीं है। मैं एक कलाकार हूं और हिंदी फिल्मों में महान अभिनेत्रियों में से एक हूं। एक राइटर, एक डायरेक्टर और एक प्रोड्यूसर होने के साथ ही एक राइट विंग इन्फ्लूंसर और क्रांतिकारी भी हूं। अगर मेरी जगह कोई पुरुष होता तो भी क्या आप इसके बारे में ऐसी धारणा बनाते।

महिलाओं को लेकर आपकी विचारधारा देखकर ऐसा लग रहा है कि आप गुमराह हैं। महिलाएं सिर्फ सेक्स के लिए नहीं होती हैं। उनके पास पुरुष की तरह दिमाग, दिल, पैर, हाथ सहित सब होता है। इसके साथ ही महिलाओं में पुरुषों की तरह महान नेता बनने की क्षमता भी होती है। तो ऐसा क्यों नहीं हो सकता है मिस्टर सुब्रमण्यम स्वामी।

बॉलीवुड | मन की बात

रामलीला के लिए भंसाली को दीपिका का नाम मैंने ही सजेस्ट किया था : रणवीर

कॉफी विद करण का सीजन 8 शुरू हो चुका है। करण जौहर का शो जब भी आता है ये सुर्खियों का हिस्सा बना रहता है। शो में सेलेब्स अपनी पर्सनल लाइफ के बारे में काफी कुछ बताते हैं जिसे जानने के लिए हर कोई एक्साइटेड रहता है। नए सीजन के पहले एपिसोड में दीपिका-रणवीर शामिल हुए थे। शो में करण जौहर ने कपल से कई सारे सवाल किए जिसके जवाब दोनों ने बड़े मस्ती भरे अंदाज में दिए। करण से बातचीत में रणवीर ने जवाब देते हुए बताया कि फिल्म रामलीला के लिए संजय लीला भंसाली ने पहले किसी और को पसंद किया था। एक्टर ने बताया कि उन्होंने पहले करीना कपूर को लीला के रोल के लिए चुना था। एक्टर ने कहा, सेट तैयार था शूटिंग शुरू होने में बस एक हफ्ता बचा था, लेकिन तभी किसी कारण से करीना को फिल्म छोड़नी पड़ी। आगे फिल्म के बारे में बताते हुए रणवीर ने बताया कि वो वहीं थे जिन्होंने दीपिका की कॉकटेल की परफॉरमेंस के बाद संजय लीला की टीम को दीपिका का नाम सजेस्ट किया था। रणवीर ने कहा तब हम बैठे थे और सोच रहे थे कि किसे कास्ट किया जाए। ऐसे में रणवीर ने भी एक्ट्रेस का नाम सजेस्ट किया, इस तरह से दीपिका पादुकोण की फिल्म में एंट्री हुई। करीना कपूर की बात करें तो एक्ट्रेस ने साल 2002 में दिए एक इंटरव्यू में खुलासा किया था कि वो कभी भी संजय लीला भंसाली की फिल्म में काम नहीं करेंगी। करीना कपूर ने कहा था, मैं कभी नहीं करूंगी। दरअसल संजय लीला की फिल्म देवदास में पहले करीना कपूर कास्ट होने वाली थीं लेकिन लेकिन बाद में उन्हें रिप्लेस कर ऐश्वर्या राय बच्चन को लिया गया। कॉफी विद करण में पहली बार लोगों को दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह की शादी की झलक देखने को मिली है। वीडियो खत्म होने के बाद करण इमोशनल हो जाते हैं जिसके बाद दीपिका और रणवीर उन्हें हग करते हैं। इसके बाद करण अपने दिल की बात करते हैं। वह कहते हैं- मैं रिलेशनशिप में नहीं हूं और मैं सिंगल हूं। इससे मुझे फील होता है कि मैं किसी के साथ होना मिस कर रहा हूं। आपके पास अपना पार्टनर नहीं होता है जिसके साथ आप अपनी चीजें शेयर कर सकें। हर रोज मैं सुबह उठकर महसूस करता हूं कि एक छोटा पार्ट वैक्यूम है।

अपूर्वा में तारा सुतारियां की एक्टिंग ने जीता दिल

बॉलीवुड | गपशप

तारा सुतारिया अपने अभी तक के करियर में कई तरह की फिल्मों अलग-अलग भूमिकाएं निभा चुकी हैं। हालांकि, उनकी एक्टिंग को दर्शकों का उतना प्यार नहीं मिल पाया, जितनी उम्मीद की गई थी। हालांकि, इस बार तारा ने अपने नए अंदाज से हर किसी को हैरान कर दिया है। एक्ट्रेस जल्द ही अपूर्वा टाइटल से बन रही फिल्म में नजर आने वाली हैं। काफी समय से इस फिल्म को लेकर चर्चा बनी हुई है। अब फिल्म का ट्रेलर भी रिलीज कर दिया गया है।

ट्रेलर में देखा जा सकता है कि अपूर्वा नाम की लड़की का किरदार निभा रहीं तारा सुतारिया एक सिद्धार्थ नाम के लड़के से प्यार करती है। दोनों की शादी की तैयारियां चल रही है। इसी बच अपूर्वा अपने मंगेतर से मिलने के लिए बस से ट्रैवल करती है। इसी दौरान कुछ गुंडे बस में घुस आते हैं और उसका अपहरण कर लेते हैं।

गुंडों के बीच अपूर्वा को बहुत संघर्ष करना पड़ता है। सभी लोगों उसकी इज्जत लूटने की कोशिश करते हैं, लेकिन अपूर्वा किस तरह उनके चंगूल से भागकर खुद को बचाने की जद्दोजहद करती है। दुश्मनों से बचने के लिए अपूर्वा हाथ में हथियार लेने उठाने पर भी मजबूर हो जाती है। 2 मिनट 25 सेकंड के इस ट्रेलर में जबरदस्त रोमांच देखने को मिल रहा है।

अपूर्वा के ट्रेलर ने अब फिल्म के लिए काफी उत्सुकता बढ़ा दी है। फिल्म में तारा के अलावा अभिषेक बनर्जी, राजपाल यादव और धैर्या करवा जैसे सितारे भी अहम किरदारों में नजर आ रहे हैं। निखिल नागेश भट्ट के निर्देशन में बनी इस सर्वाइवल थ्रिलर फिल्म अपूर्वा को सिनेमाघरों की बजाय सीधे ओटीटी पर स्ट्रीम किया जाने वाला है। इसे डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर 15 नवंबर को रिलीज किया जाएगा।

क्या आपको मालूम है, उड़ता हुआ प्लेन आसमान में सफेद धुआं क्यों छोड़ता है ?

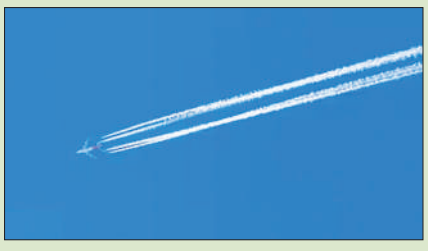

हम सबने देखा होगा कि जब भी कोई जेट प्लेन आसमान से होकर गुजरता है, तो उसके पीछे सफेद धुआं नजर आने लगता है। हमें लगता कि चूंकि जेट काफी तेज चल रहा है, इसलिए धुआं काफी ज्यादा है और वह हमें नजर आता है। मगर हकीकत क्या है? जेट प्लेन आसमान में सफेद धुआं क्यों छोड़ते हैं? कहीं आकाश नीला होना तो वजह नहीं। ऑनलाइन प्लेटफार्म कोरा पर यही सवाल पूछा गया। अजबगजब नॉलेज सीरीज में आइए जानते हैं इसका सही जवाब। जानकर आप भी समझ जाएंगे कि मौसम की भविष्यवाणी कैसे की जाती है। जेट अपने रास्ते में सफेद निशान छोड़ते हैं, जिन्हें कॉन्ट्रैल्स कहा जाता है। यह ठीक उसी तरह है जैसे सर्दियों के दिनों में जब हम सांस लेने या छोड़ने के वक्त देखते हैं कि हमारे मुंह से धुआं नजर आने लगता। दरअसल, हवाई जहाज अपने पीछे गर्म हवा छोड़ता है। लेकिन ऊपर तापमान ठंडा होता है जिसके कारण आसपास की ठंडी हवा वहां गर्म हवा के संपर्क में आकर जमने लगती है। यही हवा एक, दो या चार लाइन के रूप में दिखाई देती है। कुछ देर बाद तापमान सामान्य हो जाता है और वो लाइन गायब हो जाती है। जितनी पानी की मात्रा वायुमंडल में अधिक होगी उतना ही ज्यादा ये लाइन दिखाई देने की संभावना होगी। धुएं की यह परत कितनी मोटी, पतली या लंबी होगी, यह इस बात पर निर्भर करता है कि विमान कितनी ऊंचाई पर उड़ रहा है। वहां का तापमान और आद्रता कितनी है। इसीलिए मौसम की भविष्यवाणी करने के लिए विभिन्न प्रकार के जेट कॉन्ट्रेल्स का उपयोग किया जाता है। उदाहरण के लिए, एक पतली, कम समय तक दिखने वाली कन्ट्रेल उच्च ऊंचाई पर कम आर्द्रता वाली हवा की ओर इशारा करती है। यह बताती है कि मौसम अच्छा है। और अगर एक मोटा और काफी देर तक कॉन्ट्रेल नजर आए तो पता चलता है कि मौसम में नमी है। यह तूफान के प्रारंभिक संकेत की जानकारी हो सकती है।

अजब-गजब | केरल के इस मंदिर की है अजीबो-गरीब प्रथा

इस मंदिर में सोलह श्रृंगार करके पूजा करने जाते हैं पुरुष

भारत विविधताओं और अलग-अलग किस्म की मान्यताओं का देश है। आपको यहां ऐसी-ऐसी मान्यताएं देखने को मिल जाएंगी जो इस देश को और भी ज्यादा खास बनाती हैं। ऐसी एक मान्यता केरल के एक मंदिर में है। इस मंदिर में पुरुषों को अगर पूजा करनी होती है, तो उन्हें पहले सोलह श्रंगार करना पड़ता है। तब जाकर वो अंदर जा सकते हैं। क्या आप जानते हैं कि इस मंदिर का नाम क्या है और ऐसी प्रथा का क्या कारण है? चलिए आपको बताते हैं।

एक रिपोर्ट के अनुसार केरल में हर साल चमायाविलक्कु नाम का एक त्योहार होता है। इस त्योहार का आयोजन, कोल्लम में स्थित कोट्टानकुलंगारा श्री देवी मंदिर में होता है। मार्च के महीने में, 10-12 दिन चलने वाले इस त्योहार के आखिरी दिन, पुरुष, महिलाओं की तरह तैयार होते हैं, साड़ी पहनते हैं, गहने पहनते हैं, मेकअप करते हैं, फूल लगाते हैं, अपनी दाढ़ी-मूंछ साफ कर देते हैं। इस तरह वो पूरी तरह महिला जैसे लगते हैं।

मंदिर के आसपास रहने वाले पुरुष ऐसा जरूर करते हैं, कई लोग तो केरल के अन्य हिस्सों से भी यहां आते हैं। ट्रांसजेंडर लोग भी इस त्योहार में शामिल होते हैं। अब सवाल ये उठता है कि आखिर पुरुष, औरत बनकर क्यों देवी की पूजा करते हैं? मान्यता है कि सालों पहले, कुछ चरवाहे लड़के, लड़कियों का रूप लेकर अपनी गायों को चराने के दौरान यहां खेला करते थे। वो एक पत्थर के पास खेलते थे जिसे वो भगवान मानते थे। माना जाता है कि एक दिन देवी उनके पत्थर में से प्रकट हुईं। ये खबर तेजी से गांव में फैली और उनके सम्मान में यहां मंदिर बना दिया गया। इस तरह इस मंदिर में पुरुष, महिला बनकर तैयार होने लगे और देवी की पूजा करने लगे। लोग अपने साथ एक दीया जलाकर लाते हैं। भोर में 2 से 5 बजे के बीच के वक्त को सबसे शुभ माना जाता है। लोगों का मानना है कि यहां आने वाले लोगों की मनोकामना हमेशा पूरी होती है। इस वजह से यहां हर साल पुरुषों की संख्या बढ़ती चली जाती है।

शिवराज को 'मामा' कहलाने का हक नहीं : रागिनी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता रागिनी नायक ने शिवराज सिंह सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि जब मध्यप्रदेश के बच्चों का सूरत-ए-हाल खराब है। तो शिवराज सिंह चौहान को 'मामा' कहलाने को कोई हक नहीं, लेश मात्र भी अधिकार नहीं। ये तो शिवराज ने स्वयं कहा कि 'कुपोषण' उनके माथे का कलंक है। मैं उन्हें याद दिलाना चाहती हूँ कि बच्चों के खिलाफ़ अपराध में 337 प्रतिशत का उछाल भी उनके माथे का कलंक है, सबसे ज़्यादा शिशु मृत्यु दर भी उनके माथे का कलंक है, 7 लाख से ज़्यादा बाल मजदूर भी उनके माथे का कलंक है, हर तीन घंटे में 1 नाबालिग बच्ची का यौन शोषण भी उनके माथे का कलंक है, छोटी-छोटी बच्चियों के अपहरण और देह का बाज़ार भी उनके माथे का कलंक है और जब कोई इतना कलंकित हों ना शिवराज जी तो माथा ही नहीं पूरा मुंह काला हो जाता है।

कहा- बच्चों से जुड़े अपराध में एमपी सबसे आगे

रागिनी नायक ने प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि एनसीआरबी के आंकड़े देखें तो बच्चों के खिलाफ़ अपराध में शिवराज सिंह के कार्यकाल के दौरान 337प्रतिशत का उछाल आया है। 2011 में जहां 4,383 बच्चों के खिलाफ अपराध के मामले मध्यप्रदेश में दर्ज हुए, वो 2021 में बढ़ कर 19,173 हो गए। 2021 में यौन शोषण, अपहरण, हत्या जैसे 52 जघन्य अपराध बच्चों पर रोज हुए हैं। यही नहीं पोक्सो के अंतर्गत केस रजिस्टर होने के मामले में मध्यप्रदेश पूरे देश में 3 नंबर पर है। 2009-2015 के बीच मध्यप्रदेश में 1 करोड़ 10 लाख बच्चे कुपोषित पाए गए।

श्योपुर जिले में 116 बच्चों की कुपोषण से मौत हुई और कई अखबारों ने लिखा कि श्योपुर का इथोपिया है। उस समय ही चुल्लू भर पानी दिया जाना चाहिए था शिवराज सिंह को।

बच्चों को बेचा जा रहा है

नायक ने कहा कि बच्चियों के अपहरण- खरीद-फरोख्त मध्यप्रदेश महिलाओं-बच्चियों के अपहरण और जिस्म-फरोशी के मामले में भी अव्वल नंबर पर है। कुछ दिन पहले की प्रेस वार्ता में मैंने भोपाल में ही कन्या पूजन के बहाने से दो बहनों को अगवा करने की वारदात के खिलाफ आवाज उठाई थी। आज के दो बड़े अखबार उठा कर देखें तो पता चलेगा कि छोटी-छोटी बच्चियों की कैसे दुर्दशा की जाती है। प्रदेश के एक लिडिंग अखबार ने छापा है कि कितनी आसानी से अपराधी चूना भट्टी, न्यू मार्केट, 10 नंबर मार्केट में वारदात को अंजाम देने के लिए रेकी कर रहे थे। किस तरह मध्यप्रदेश को इस गिरोह ने अपराध का केन्द्र बनाया और देश भर में बच्चियां स्ह्श्चश्चद्य4 करते थे। बच्चों की प्रताड़ना के वीडियो तक पाए गए हैं। बच्ची चोर, बच्चियों की तुलना कुत्ते बेचने से कर रही थी और ये सब हो रहा था 'मामा' जी के निवास से कुछ किलो मीटर की दूरी पर।

पूरे प्रदेश में बदलाव की लहर : दिग्विजय सिंह

दिग्विजय सिंह ने कहा कि इस समय पूरे प्रदेश में बदलाव की लहर है। कांग्रेस की सरकार बनने जा रही है। इस बार कांग्रेस ऊपर से नीचे तक नहीं, बल्कि नीचे से ऊपर तक चुनाव लड़ेगी। कांग्रेस के बड़े पदाधिकारियों को उनके गृह क्षेत्र वाला बूथ जिताने की जिम्मेदारी दी गई है। बाकायदा नाम लिखे जाएंगे। पूरी प्रक्रिया पर निगरानी रखी जाएगी।

उमा भारती, प्रभात झा, यशोधरा राजे सिंधिया व मुख्तार अब्बास नकवी को बीजेपी ने स्टार प्रचारकों की सूची से किया बाहर

मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव 2023 के लिए जारी बीजेपी स्टार प्रचारकों की सूची में पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती को जगह नहीं मिल पाई है। उनके साथ ही प्रभात झा, यशोधरा राजे सिंधिया और मुख्तार अब्बास नकवी को भी भारतीय जनता पार्टी ने इस बार स्टार प्रचारक की सूची से बाहर कर दिया है। जबकि 2018 के विधानसभा चुनाव ये सभी भाजपा की ओर से स्टार प्रचारक थे। यशोधरा राजे सिंधिया इस बार विधान सभा चुनाव भी नहीं लड़ रही हैं। उन्होंने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देकर पहले ही चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया था। ऐसे में पार्टी ने उन्हें स्टार प्रचारक भी नहीं बनाया है। पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती को भाजपा की स्टार प्रचारक की सूची में स्थान नहीं मिला है। जानकारी के अनुसार, उन्होंने अपनी तीर्थ यात्रा के चलते इस बार चुनाव प्रचार से दूरी बनाई है। उन्होंने इस बात से पहले ही पार्टी को अवगत करवा दिया था। ऐसे पार्टी ने भी उन्हें चुनाव प्रचार से पूरी तरह मुक्त कर दिया है।

सपा ने शिवराज के खिलाफ मिर्ची बाबा को बनाया प्रत्याशी

मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए समाजवादी पार्टी ने पांचवी सूची जारी की है। इसमें 35 प्रत्याशियों के नाम की घोषणा की है। इसमें पांच प्रत्याशियों के नाम में संशोधन किया है। वहीं, सीहोर जिले की बुधनी विधानसभा सीट से वैराग्यानंद महाराज मिर्ची बाबा को प्रत्याशी को बनाया है। इसके अलावा सिंगरौली की देवसर सीट से सुषमा प्रजापति, सिहौर जिले की आष्ठा सीट से अम्बाराम मालवीय, सतना सीट से हाजी मोइन खान, सतना जिले की अमरपाटन सीट से बालकृष्ण यादव, पन्ना जिले की पवई सीट से रजनी यादव, रैगांव सीट से इंदल प्रसाद प्रजापति, अनूपपुर जिले की कोतमा सीट से सेवानिवृत्त आईएएस विनोद बघेल, ग्वालियर की भितरवार सीट से संत राजेश गिरी महाराज, जबलपुर कैंड से देवेंद्र यादव, जबलपुर उत्तर मध्य से रंजना कुर्मी, बैतूल की मुलताई सीट से कृपाल सिंह सिसोदिया और रतलाम की सैलाना सीट पर भूरी सिंघाड़ को प्रत्याशी बनाया है। छतपुर की बिजावर सीट र मनोज यादव के स्थान पर रेखा यादव, निवाड़ी की पृथ्वीपुर सीट पर शिवांगी यादव के स्थान पर मिनी यादव, पन्ना की गिन्नौर सीट पर जितेंद्र कुमार दहायत के स्थान पर अमिता बागरी, रीवा के देवतालाब में रामरूज्ञ सोंधिया के स्थान पर सीमा जयवीर सिंह सेंगर और भिंड के गोहद में मोहन लाल माहौर के स्थान पर जितेंद्र खटीक उर्फ बंटी को प्रत्याशी बनाया है।

जो राम का नहीं, किसी काम का नहीं : शाहनवाज हुसैन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। पांच राज्यों में भाजपा की जीत रही है, यह दावा भाजपा के सभी नेता कर रहे हैं। अब फिर से भाजपा के वरीय नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री भाजपा की जीत का दावा किया है। पूर्व मंत्री शाहनवाज हुसैन ने कहा कि अभी चुनाव का माहौल है। पांच राज्य में चुनाव होने वाले हैं। उन पांचों राज्यों भाजपा जीतेगी। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, तेलंगाना समेत सभी पांचों राज्यों में कमल खिलेगा। इसके बाद 2025 में बिहार में भी कमल खिलेगा। इसकी तैयारी जोरों पर हो रही है।

पूर्व मंत्री शाहनवाज हुसैन ने कहा कि आज बिहार भाजपा की बैठक है। यह बैठक संगठन महामंत्री बीएल संतोष, प्रभारी विनोद तावड़े और प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी के नेतृत्व में हो रही है। इसमें सांसद, विधायक, पूर्व सांसद और पूर्व विधायक, जिला के कार्यकर्ता और बिहार के सभी प्रमुख नेता मिलकर बैठक कर रहे हैं। आगे 40 के 40 सीट पर बिहार में चुनाव जीतना है। पहले जिला की बैठक हो रही है। इसके बाद शाम में कोर कमेटी की बैठक होगी। साथ ही अन्य कमेटियों की भी बैठक होगी। 2025 में ही कमल खिलाना है। पूर्व मंत्री शाहनवाज हुसैन ने कहा कि 22 जनवरी 2024 को अयोध्या भी चलना है। जो लोग राम में यकीन रखते हैं, चाहे किसी भी दल के हों, उन्हें अयोध्या जरूर आना चाहिए। क्योंकि जो राम का नहीं, वह किसी काम का नहीं। शाहनवाज हुसैन ने इंडिया पर निशाना साधते हुए कहा कि इंडिया गठबंधन तो बिखर गया।

गवाह को प्रभावित करने की कोशिश कर रही हैं महुआ : दुबे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पैसे लेकर संसद में सवाल पूछने के मामले में बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने एक बार फिर टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा पर गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने इस मामले को लेकर शनिवार को सोशल मीडिया साइट एक्स पर एक पोस्ट किया। इस पोस्ट में उन्होंने लिखा कि सूचना के अनुसार दर्शन हीरानंदानी व दुबई दीदी (सांसद) संपर्क में हैं। गवाह को प्रभावित करने की कोशिश चल रही है। लोकसभा अध्यक्ष को इसपर कार्रवाई करनी चाहिए लोकसभा की एथिक्स कमेटी ने अपनी जांच शुरू कर दी है।

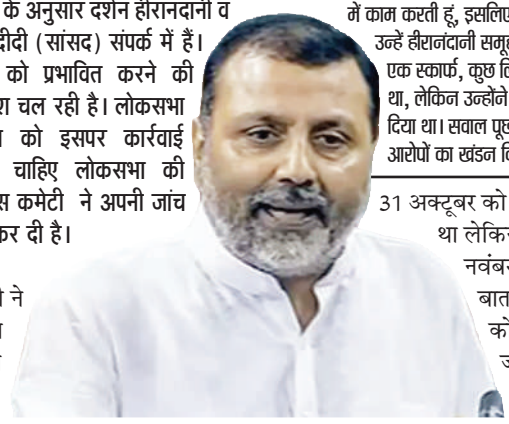

कमेटी ने महुआ मोइत्रा को 31 अक्टूबर को पेश होने के लिए कहा था लेकिन टीएमसी सांसद ने 5 नवंबर के बाद समय देने की बात कही है। बता दें ये कोई पहला मौका नहीं है जब बीजेपी सांसद ने टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा पर सवाल उठाए हो या फिर तंज कसा हो। आरोपी सांसद के उपर दुबई का इतना नशा है कि मेरा भी नाम एथिक्स कमिटि के चेयरमैन को लिखे पत्र में दुबई कर दिया है,मोहतरमा ने मेरा दुबे नाम बदलकर अपने मानसिक स्थिति का वर्णन कर दिया है,हाय रे किस्मत?

मैं रिमोट एरिया में काम करती हूं, इसलिए अपना लॉगइन साझा किया : महुआ मोइत्रा

तृणमूल सांसद महुआ मोइत्रा ने पैसे लेकर संसद में सवाल पूछने () के मामले में स्वीकार कर लिया है कि उन्होंने कारोबारी दर्शन हीरानंदानी से लोकसभा वेबसाइट का अपना लॉगइन आईडी और पासवर्ड साझा किया था, ताकि कारोबारी उनकी तरफ से सवाल कर सके। महुआ ने अपना बचाव करते हुए कहा, मैंने दूसरों के साथ भी अपना लॉगइन आईडी और पासवर्ड साझा किया है, क्योंकि मैं रिमोट एरिया में काम करती हूं, इसलिए काफी व्यस्त रहती हूं। साथ ही महुआ मोइत्रा ने कहा कि उन्हें हीरानंदानी समूह के सीईओ दर्शन हीरानंदानी से उपहार के रूप में केवल एक स्कार्फ, कुछ लिपस्टिक और आईशैडो सहित अन्य मेकअप सामान मिला था, लेकिन उन्होंने स्वीकार किया कि उन्होंने उन्हें इसका इस्तेमाल करने दिया था। सवाल पूछने के लिए पैसे लेने से जुड़े आरोपों पर महुआ मोइत्रा ने हीरानंदानी से रिश्वत लेने के आरोपों का खंडन किया है। साथा ही मांग की है कि उन्हें हीरानंदानी से जिरह करने का मौका दिया जा।

केशव महाराज ने छीनी पाकिस्तान से जीत

विश्वकप : दक्षिण अफ्रीका ने एक विकेट से हराया, पाक की लगातार चौथी हार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। एडेन मार्कराम की जिम्मेदारी से भरी पारी और केशव महाराज की अगुवाई में पुछल्ले बल्लेबाजों के योगदान से दक्षिण अफ्रीका ने आईसीसी वनडे विश्व कप के मैच में शुक्रवार को यहां पाकिस्तान पर एक विकेट से रोमांचक जीत दर्ज की। पाकिस्तान की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 46.4 ओवर में 270 रन पर आउट हो गई। इसके जवाब में दक्षिण अफ्रीका ने 47.2 ओवर में 9 विकेट पर 271 रन बना कर जीत दर्ज की।

दक्षिण अफ्रीका के इस जीत से छह मैच में 10 अंक हो गए हैं और वह भारत की जगह अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया है। पाकिस्तान की यह लगातार चौथी हार है और उसके छह मैच में केवल चार अंक हैं, जिससे उसकी सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदों को करारा झटका लगा है। दोनों टीम के बीच मार्कराम ने अंतर पैदा किया, क्योंकि पाकिस्तान की तरह दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज भी अपनी अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में नहीं बदल पाए। मार्कराम ने 93 गेंद पर 91 रन बनाए जिसमें सात चौके और तीन छक्के शामिल हैं। उनके आउट होने के बाद महाराज ने एक छोर एक संभाले रखा तथा 21 गेंद पर नाबाद सात रन बनाए। उन्होंने मोहम्मद नवाज पर विजयी चौका भी लगाया। पाकिस्तान की तरफ से सौद शकील (52) और बाबर (50) ने अर्धशतक जमाए। उनके अलावा शादाब खान ने 43 और मोहम्मद रिजवान ने 31 रन का योगदान दिया। दक्षिण अफ्रीका के कलाई के स्पिनर तबरेज शम्सी ने 60 रन देकर चार विकेट लिए। तेज गेंदबाज मार्को यानसन (43 रन देकर तीन) और गेराल्ड कोएत्जी (42 रन देकर दो) ने उनका अच्छा साथ दिया। पाकिस्तान को दक्षिण अफ्रीका की पारी के पहले ओवर में ही झटका लगा जब क्विंटन डिकॉक को रन आउट करने के प्रयास में शादाब के सिर में चोट लग गई। उनकी जगह उसामा मीर को 'कनकशन सब्स्टीट्यूट' के रूप में टीम में शामिल किया गया।

फिर सामने आया यूपी पुलिस का कुरूप चेहरा

» पीलीभीत में पुलिस हिरासत में एक व्यति की मौत

» परिजनों ने लगाया पिटाई का आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पीलीभीत। पीलीभीत में एक बार फिर यूपी के योगी सरकार के पुलिस का कुरुप चेहरा सामने आया है। वहां पर पुलिस हिरासत में एक शख्स की मौत हो गई। मृतके के परिजनों ने मारपीट के आरोप लगाए । साथ उन्होंने थाने में हंगामा किया है। जिले के बरखेड़ा थाने में हिरासत में रखे गए एक व्यक्ति की शुक्रवार को मौत हो गई जिसके बाद उसके परिजनों ने पुलिस पर उसे बुरी तरह से पीटने का आरोप लगाया।

मृतक की पहचान 40 वर्षीय बशीर खां उर्फ पहलवान के तौर पर हुई है। उसकी पत्नी की शिकायत पर पुलिस ने उसे हिरासत में लिया था और हिरासत में संदिग्ध हालात में उसकी मौत हो गई, उसके परिजनों का आरोप है कि पुलिस द्वारा की गई मारपीट से उसकी मौत हुई है। मृतक के भाई जमीर की ओर से पुलिस को तहरीर दी गई है, हालांकि पुलिस ने तहरीर मिलने से इनकार किया है, इस पूरे प्रकरण पर पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ), बीसलपुर, सतीश शुक्ल ने बताया कि मृतक का चिकित्सकों के पैनल से पोस्टमार्टम कराया गया है और पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी की गई है, उन्होंने कहा कि परिजनों की ओर से तहरीर मिलने व पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर जांच कर आगे की कर्रवाई की जाएगी। शुक्ल के अनुसार, खां के खिलाफ पीलीभीत समेत आसपास के जिलों में संगीन अपराधों में करीब 20 मुकदमे पंजीकृत हैं जिसमें हत्या, जानलेवा हमला करना, गुंडा अधिनियम के तहत दर्ज मामले शामिल हैं। वहीं, मृतक के भाई जमीर की ओर से पुलिस को दी गई तहरीर के अनुसार, खां की पत्नी ने बृहस्पतिवार को बरखेड़ा थाने में अपनी पति के खिलाफ शिकायत देकर आरोप लगाया था कि उसका किसी और महिला के साथ अवैध संबंध है।जमीर ने दावा किया कि शबाना की शिकायत के आधार पर बरखेड़ा पुलिस ने खां को बृहस्पतिवार देर रात बिलसंडा थाना क्षेत्र के पहाड़गंज गांव जाकर हिरासत में ले लिया। आरोप हैं कि खां ने जैसे ही दरवाजा खोला, पुलिसकर्मियों ने उसे घर के बाहर खींच लिया और लात घूसे से उसे पीटने लगे। पुलिस आरोपी को अपने साथ बरखेड़ा थाने ले गई।

परिजनों ने थाने में किया हंगामा

जमीर ने दावा किया है कि थाने में उसके भाई के मुंह से खून निकल रहा था और वह हवालात में बेहोश पड़ा था। इसके बाद आरोपी की मौत की खबर मिलते ही परिजन थाने पहुंच गए और हंगामा करना शुरू कर दिया। इस दौरान किसी भी परिस्थिति से निपटने को कई थानों से पुलिस बल को मौके पर बुला लिया गया। बरखेड़ा थाना पुलिस ने इस प्रकरण मे सभी आरोपों को सिरे से खारिज कर कहा कि आरोपी शातिर अपराधी था।

राम मंदिर के उद्घाटन में शिरकत न करें पीएम मोदी : मौलाना मदनी

» बोले- धार्मिक अनुष्ठान राजनीतिक हस्तक्षेप से मुत हों

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सहारनपुर/देवबंद। उत्तर प्रदेश के देवबंद में जमीयत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद मदनी ने अगले वर्ष अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की संभावित भागीदारी और कुछ मुस्लिम नेताओं द्वारा प्रस्तावित मस्जिद की नींव रखने के लिए प्रधानमंत्री से अपील करने पर तीखी आलोचना की है। जारी बयान में मौलाना महमूद मदनी ने कहा कि हमने पहले ही यह स्पष्ट कर दिया था कि अयोध्या विवाद में सुप्रीम कोर्ट ने जो निर्णय किया था, हम उसको सही नहीं मानते हैं। जमीयत उलमा-ए-हिंद ने कोर्ट के फैसले के तुरंत बाद अपनी स्थिति स्पष्ट कर दी थी कि यह फैसला गलत माहौल में गलत सिद्धांतों और आधारों पर दिया गया है। जो कानूनी और ऐतिहासिक तथ्यों के भी विरुद्ध है।

मौलाना मदनी ने कहा कि ऐसे में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को किसी भी पूजा स्थल के उद्घाटन के लिए बिल्कुल नहीं जाना चाहिए। बल्कि उचित यह है कि धार्मिक अनुष्ठान राजनीतिक हस्तक्षेप से मुक्त हों और धार्मिक लोगों द्वारा ही किए जाने चाहिए।

मौलाना महमूद मदनी ने जमीयत उलमा-ए-हिंद के सभी स्तर के पदाधिकारियों को खबरदार किया कि वह संगठन के रुख के खिलाफ किसी भी गैर जिम्मेदाराना बयान से बचें। उन्होंने कहा कि एक अंग्रेजी अखबार में जमीयत के किसी स्थानीय पदाधिकारी के हवाले से प्रधानमंत्री से मस्जिद के उद्घाटन में शामिल होने की अपील पर आधारित एक बयान प्रकाशित किया है, जो जमीयत के रुख के विरुद्ध है। इसलिए सभी पदाधिकारी किसी भी प्रकार की बयानबाजी से बचें।

ज्यादातर मुस्लिम पढ़ाई नहीं करना चाहते : अजमल

गुवाहाटी। ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) के प्रमुख बदरुद्दीन अजमल ने मुसलमानों पर एक विवादित टिप्पणी की। उन्होंने एक जनसभा को संबोधित करते हुए सवाल पूछा, ज्यादातर मुसलमान आपराधिक प्रवृति के और पृष्ठभूमि के क्यों हैं, उन्होंने कहा, डकैती, बलात्कार, लूट जैसे अपराधों में मुसलमान नंबर वन क्यों हैं, हम जेल जाने में नंबर वन क्यों हैं? उन्होंने खुद इस समस्या का जवाब देते हुए कहा, क्योंकि ज्यादातर मुस्लिम पढ़ाई नहीं करना चाहते हैं, अपने ही धर्म के लोगों की कड़ी आलोचना के बाद एआईयूडीएफ चीफ ने कहा, मैंने कोई ऐसी बात नहीं की है जो किसी तरह से गलत हो,मैंने जो कहा है वो तथ्य है।

फोटो : 4पीएम

पुष्पांजलि रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने सदर बाजार में महर्षि बाल्मीकि जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि की। इस मौके पर कार्यकर्ताओं में मंच साझा करने को लेकर आपस में नोंकझोंक भी हुई।

शरद पूर्णिमा पर लगेगा खंडग्रास चंद्र ग्रहण

» ग्रहण रात 1.05 बजे से शुरू होगा और 2.23 मिनट तक रहेगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। शनिवार 28 अक्टूबर को खंडग्रास चंद्र ग्रहण लग रहा है और इसी दिन शरद पूर्णिमा भी है। मान्यता अनुसार, शरद पूर्णिमा की रात खुले आकाश के नीचे खीर रखी जाती है। माना जाता है कि इस दिन चांद से अमृत वर्षा होती है और चांद अपनी 16 कलाओं से परिपूर्ण रहता है। इस बार चांद की इन कलाओं पर ग्रहण का साया रहेगा।

हालांकि, ज्योतिषाचार्यों का कहना है कि खीर बनाएं, भोग लगाएं, खुले आकाश के नीचे भी रखें, पर कुछ सावधानियों के साथ। व्रत भी रखा जा सकता है। चंद्र ग्रहण का सूतक शुरू होने के साथ शहर के मंदिरों के कपाट बंद हो जाएंगे। ज्योतिषाचार्यों के मुताबिक, चंद्र ग्रहण रात 1.05 बजे से शुरू होगा और 2.23 मिनट तक रहेगा। सूतक काल नौ घंटे पहले शुरू हो जाएगा। वैदिक ज्योतिष शोध परिषद के अध्यक्ष महामहोपाध्याय डॉ. आदित्य पांडेय कहते हैं कि ग्रहण का सूतक प्रभावी माना जाता है। ग्रहण से पूर्व खुले आकाश में तुलसी डालकर या कुशा रखकर खीर रखी जा सकती है या फिर ग्रहण काल समाप्त होने पर इसे रखना मान्य होगा।

सूरत में एक ही परिवार के सात लोगों ने की आत्महत्या

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सूरत। गुजरात के सूरत में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। सूरत के अडाजण इलाके में एक परिवार ने सामूहिक रूप से जहर पीकर आत्महत्या कर ली, जिसमें सात लोगों की मौत हो गई।

मालूम हो कि यह घटना अडाजण पालनपुर पाटिया इलाके के सिद्धेश्वर अपार्टमेंट में हुई है। सामूहिक आत्महत्या में शामिल परिवार फर्नीचर कारोबार से जुड़ा है। हालांकि, पूरे परिवार ने यह कदम किस कारण से उठाया है, इसकी जानकारी नहीं मिल पाई है। घटना की जानकारी मिलने के बाद वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। परिवार ने यह कदम किस कारण से उठाया इसकी जांच शुरू कर दी गई है।

यूपी की हवा हुई जहरीली, लोगों का सांस लेना मुश्किल

» बुजुर्गों और बच्चों की हालत बिगड़ी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के कई जिलों में वायु गुणवत्ता लगातार खराब श्रेणी में है। इनमें दिल्ली से सटे जिलों में हालात और भी खराब है। यहां लोगों का सांस लेना खतरनाक होता जा रहा है। प्रदूषण का सबसे ज्यादा असर बुजुर्गों और बच्चों पर देखने को मिल रहा है। सर्द मौसम की शुरुआत के साथ प्रदूषण में और इजाफा देखा जा रहा है। इसके आने वाले दिनों में और बदतर होने का अनुमान है, शनिवार (28 अक्टूबर) को भी नोएडा, गाजियाबाद का एयर क्वालिटी इंडेक्स खराब श्रेणी में रहा।

शनिवार को समग्र वायु गुणवत्ता 286 एक्यूआई (क्यूआई) के साथ खराब श्रेणी में रहा तो वहीं नोएडा में वायु गुणवत्ता 255 एक्यूआई के साथ खराब श्रेणी में दर्ज की गई, यूपी के गाजियाबाद में हालात सबसे ज्यादा खराब हैं, यहां लोनी में एक्यूआई लगातार रेड जोन में बना हुआ है, नेशनल एयर क्वालिटी इंडेक्स के अनुसार, शनिवार को लोनी का एक्यूआई 379 दर्ज किया गया, जोकि बेहद खराब श्रेणी में आता है।

ग्रेटर नोएडा में एयूआई रेड जोन में

ग्रेटर नोएडा में भी एयर क्वालिटी इंडेक्स रेड जोन में बना हुआ है। यहां हवा की गुणवत्ता बेहद खराब श्रेणी में है और एक्यूआई 350 दर्ज किया गया है, मेरठ में भी धीरे-धीरे हवा की गुणवत्ता खराब होती जा रही है, यहां गंगानगर में एक्यूआई 240 दर्ज किया गया जो कि खराब श्रेणी में आता है, बागपत में एक्यूआई 162 दर्ज किया गया है, यहां हवा की गुणवत्ता मध्यम श्रेणी में है।

लखनऊ में गुणवाा मध्यम

हापुड़ में हवा की गुणवत्ता खराब होती जा रही है, यहां एक्यूआई 214 दर्ज किया गया और हवा की गुणवत्ता खराब श्रेणी में रही। अन्य जिलों की बात करें तो कानपुर में एक्यूआई 189 दर्ज किया गया और हवा की गुणवत्ता मध्यम श्रेणी में रही। लखनऊ के लाल बाग में एक्यूआई 134 रहा और हवा की गुणवत्ता मध्यम श्रेणी में रही।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।